आवारापन 2 का टीजर हुआ जारी, ...8

दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
रविवार , 05 जलाई 2026
वर्ष: 13 अंक :203 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

20 जुलाई से शुरू होगा मॉनसून सत्र, 13 अगस्त तक चलेगा, किरेन रिजिजू ने दी जानकारी

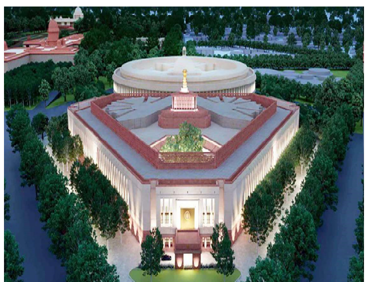

नई दिल्ली। अप्रैल में संसद की पिछली बैठक के बाद से राजनीतिक हालात में काफी बदलाव आया है। 20 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र में सदन के भीतर नया राजनीतिक समीकरण और बदली हुई केमिस्ट्री देखने को मिलेगी, जिसमें सदन की बनावट में कुछ बेहद चौंकाने वाले और दूरगामी बदलाव शामिल होंगे। दल–बदल, नए गठबंधन, विलय, बैठने की नई व्यवस्था और बदले हुए हालात एक हंगामेदार सत्र का संकेत देते हैं। चार हफ्ते तक चलने वाले इस सत्र में 19 बैठकें होंगी और यह 13 अगस्त तक चलेगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि भारत सरकार की सिफारिश पर, माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद के दोनों सदनों को मानसून सत्र 2026 के लिए बुलाने की मंजूरी दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई, 2026 से शुरू होगा और 13 अगस्त, 2026 तक चलेगा, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे। तृणमूल कांग्रेस में फूट, उद्धव सेना में दलबदल और क्डज्ञ–कांग्रेस के अलग होने से सदन में संख्या बल बदलने वाला है। सत्ता पक्ष की संख्या बढ़ने और विपक्ष की संख्या घटने की संभावना है। सत्र शुरू होने से पहले, स्पीकर ओम बिरला 20 बागी तृणमूल सांसदों के कम चर्चित NCPI में विलय पर फैसला लेंगे। वह उद्धव सेना के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलय पर भी फैसला करेंगे।

पंजाब कांग्रेस में सब ठीक!

राजा वडिंग बोले –चन्नी के साथ मिलकर लड़ेंगे

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के साथ मतभेद की खबरों का खंडन किया है और कहा है कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में पंजाब के लिए मिलकर लड़ने के लिए एकजुट रहेगी। कई नेताओं की ओर से चन्नी को राज्य इकाई का अध्यक्ष बनाने की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए वारिंग ने कहा कि मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में आप हम सभी को एक साथ, एक ही मंच पर देखेंगे। हम मिलकर पंजाब के लिए लड़ेंगे। उन्होंने पार्टी के भीतर मतभेदों को कम करके आंका और कहा कि सीनियर लीडरशिप पार्टी की दिशा के साथ बनी हुई है। लीडरशिप बदलने की मांगों का जिक्र करते हुए वारिंग ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि चन्नी साहब या किसी सीनियर लीडर ने ऐसा कुछ कहा है। वारिंग ने असंतोष के सार्वजनिक प्रदर्शनों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया, जिसमें चन्नी के आवास पर हाल ही में हुई बैठकें भी शामिल हैं, जहाँ कई विधायकों ने नेतृत्व में बदलाव का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सख्ह्त कदम उठाए जाएँगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो भी व्यक्ति ऐसी बातें करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है, लेकिन किसी को भी अनुशासनहीनता करने का अधिकार नहीं है। चंडीगढ़ में मीडिया से बात करते हुए, वारिंग ने भारतीय जनता पार्टी पर कड़ा हमला बोला और पंजाब में उसकी संभावनाओं को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें एक–दो दिन खुश रहने दें।

राम मंदिर दान प्रकरण पर अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, लगाए गंभीर आरोप, मामले पर सियासत तेज

लखनऊ। राम मंदिर दान प्रकरण को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में आरोप–प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में देश की जनता जवाब चाहती है और सच सामने आना चाहिए।अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि आखिरकार ष्सुरंगजीवियोंष् को बाहर आना ही पड़ा, क्योंकि अब अपयश का पानी सुरंग में गले तक भर गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस गंभीर मामले में स्वयं सामने आने के बजाय दूसरे व्यक्ति को आगे किया गया। उनके अनुसार, देश के 140 करोड़ नागरिकों और देश–विदेश के दानदाताओं के मन में यह सवाल है कि इस प्रकरण में जिम्मेदार लोग सीधे सामने क्यों नहीं आए।

अकादमिक जिहाद: जम्मू-कश्मीर में आतंकियों को हीरो बताने वाली किताब बैन

8 अधिकारी सस्पेंड,लेखक–प्रकाशक ब्लैक लिस्ट

जम्मू/श्रीनगर। आतंकियों और अलगाववादियों का महिमामंडन करने वाली पुस्तकों के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। आठ अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एक संविदा कर्मचारी की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। जबकि दोनों आपत्तिजनक पुस्तकों के लेखकों और प्रकाशकों को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं। वहीं, जम्मू–कश्मीर सरकार ने सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरियों में पहुंची आ पुस्तकों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने के आदेश जारी किए हैं। बता दें कि विवाद उस समय सामने आया जब गत शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर पीपुल्स फोरम ने आरोप लगाया कि जून 2025–26 समग्र शिक्षा योजना के तहत सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में उपलब्ध कराई पुस्तक में सैयद अली शाह गिलानी, मसरत आलम व मीरवाइज उमर फारूक जैसे अलगाववादियों के विचारों को बढ़ावा दिया है। आतंकियों और पत्थरबाजों को श्हीरोश के रूप में प्रस्तुत किया है।

विशेषज्ञ समितियों ने 463 पुस्तकों का किया था परीक्षण

बताया जाता है कि सरकारी स्कूलों के लिए उपयुक्त पुस्तकों के चयन के लिए गठित विशेषज्ञ समितियों ने 463 पुस्तकों का परीक्षण किया था। इनमें दो पुस्तकों श्पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स आफ जेएंडकेश तथा श्ग्रेट पर्सनैलिटीज आफ जम्मू एंड कश्मीरश में कथित रूप से ऐसा कंटेंट पाया जो अलगाववाद व आतंकवाद से जुड़ा होने के साथ सामाजिक अशांति पैदा करने की क्षमता रखता है।सरकारी आदेश में कहा कि श्पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स आफ जेएंडकेश की 123 प्रतियां जम्मू, रामबन व ऊधमपुर जिलों में भेजी थीं, जबकि दूसरी पुस्तक की 128 प्रतियां जम्मू व बारामुला में वितरित की थीं। सरकार ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) अश्विनी कुमार को इस मामले का जांच अधिकारी नियुक्त किया है। उन्हें 30 दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी प्रतियां वापस, जांच शुरू

स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त सचिव राम निवास शर्मा ने पुष्टि की कि पुस्तक को सभी स्कूलों से वापस ले लिया गया है। पुस्तक के अनुमोदन, खरीद और वितरण से जुड़े सभी स्तरों की जांच की जा रही है और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका तय कर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जांच में यह भी देखा जाएगा कि पुस्तक के चयन और वितरण में किन–किन अधिकारियों की भूमिका रही। किताब पढ़ने के बाद करूंगा टिप्पणी: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैंने न तो यह पुस्तक पढ़ी है और न ही इसके बारे में पहले सुना था। इसकी सामग्री देखने के बाद ही मैं इस पर टिप्पणी करूंगा। वहीं, राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक एसपी वैद ने कहा कि पुस्तक में अलगाववाद, आतंकवाद और भारत विरोधी सोच को बढ़ावा दिया गया है।

इससे कट्टरपंथी सोच को बढ़ावा मिल सकता है। वहीं, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि इन पुस्तकों के माध्यम से स्कूलों में राष्ट्रविरोधी विचारधारा को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

टीआरएस नाम को लेकर फिर फंसा पेच, के. कविता को ईसीआई का नोटिस

भारत के चुनाव आयोग ने के. कविता को उनकी प्रस्तावित पार्टी के नाम 'TRS' पर आपत्तियों के बाद नोटिस जारी किए हैं। यह कार्रवाई 4 जुलाई को तब की गई जब आयोग को 1,100 से ज्यादा शिकायतें मिलीं। इनमें से एक शिकायत कथित तौर पर भारत राष्ट्र समिति ने कविता की प्रस्तावित पार्टी के नाम और BRS की पुरानी पहचान के बीच समानता को लेकर दर्ज कराई थी। कविता ने शुरू में अपनी नई राजनीतिक पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना रखने की घोषणा की थी।

जयराम रमेश का बीजेपी पर बड़ा आरोप: केदारनाथ–बद्रीनाथ दान में चोरी क्यों?

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को मंदिर ट्रस्टों और बीजेपी शासित राज्य सरकारों में कथित भ्रष्टाचार को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर के नाम पर वोट मांगते हुए वे राम का नाम बदनाम कर रहे हैं। ।छप् से बात करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि राम मंदिर के लिए राम के नाम पर वोट लिए गए, लेकिन राम के नाम को बदनाम किया जा रहा है। हाल ही में केदारनाथ और बद्रीनाथ से जुड़ी बातें सामने आई हैं, जहां दान की रकम भी चोरी की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा शासित राज्यों में इस तरह की अनियमितताएं क्यों सामने आ रही हैं और आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य मंदिर ट्रस्टों का हिस्सा हैं। उन्होंने पूछा, "भाजपा शासित राज्यों में यह चोरी क्यों हो रही है? क्योंकि इस ट्रस्ट में भाजपा और आरएसएस के सदस्य हैं।

पायरेसी पर केंद्र का सबसे बड़ा एक्शन

टेलीग्राम को भेजा नोटिस, 15 दिन का दिया अल्टीमेटम

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को पायरेसी के मामलों को लेकर टेलीग्राम को एक नोटिस जारी किया। इसमें मंत्रालय ने टेलीग्राम से पायरेटेड फिल्मों और व्ज्ज कंटेंट के खघ्लिाफ तुरंत कदम उठाने और 15 दिनों के अंदर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट सौंपने को कहा है। मंत्रालय ने यह कदम भारत की क्रिएटर इकॉनमी, फिल्म इंडस्ट्री, ब्रॉडकास्टर्स, व्ज्ज प्लेटफॉर्म, प्रोड्यूसर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स के हितों की रक्षा के लिए उठाया है। इसके अलावा, टेलीग्राम को उन लोगोंध् संस्थाओं के खघ्लिाफ भी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है जिन्हें मंत्रालय ने श्बार–बार नियम तोड़ने वालेश बताया हैय इनमें चौनल, ग्रुप, बॉट, अकाउंट, एडमिनिस्ट्रेटर और उनसे जुड़ी अन्य संस्थाएं शामिल हैं। केंद्र सरकार का यह कदम इस बात का संकेत है कि अब अलग–अलग कंटेंट को हटाने के बजाय प्लेटफॉर्म की जवाबदेही तय करने की दिशा में बदलाव हो रहा है। इससे पहले भी केंद्र सरकार पायरेटेड कंटेंट दिखाने वाले 3,000 से ज्यादा टेलीग्राम चौनलों के खघ्लिाफ कार्रवाई कर चुकी है। दक्षिण–एशियाईऔर प्रवासी पाइरेटेड फिल्में बांटने वाले 3,142 टेलीग्राम चैनलः ऐसी शिकायतों की जांच के बाद, मंत्रालय ने 3,142 ऐसे टेलीग्राम चौनलों की पहचान की जो कथित तौर पर पाइरेटेड फिल्में, वेब सीरीज और कॉपीराइट वाला अन्य कंटेंट बांट रहे थे। मंत्रालय का यह नोटिस इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2000 के तहत जारी किया गया था। इसमें टेलीग्राम को निर्देश दिया गया कि वह नियमों का उल्लंघन करने वाले कंटेंट को हटाए और इंटरमीडियरी (मध्यस्थ) के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों का पालन बेहतर ढंग से करे। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स, 2021 के तहत, ऑनलाइन इंटरमीडियरीज के लिए जरूरी है कि वे सरकार का वैध नोटिस या कोर्ट का आदेश मिलने के बाद गैर–कानूनी कंटेंट को हटा दें।

> **भारत की क्रिएटर इकॉनमी को बचाने के लिए सरकार का कदम**
>
> *मंत्रालय का यह कदम भारत की क्रिएटर इकॉनमी को बचाने और ऑनलाइन पाइरेसी से फिल्म इंडस्ट्री, ब्रॉडकास्टर्स, व्ज्ज प्लेटफॉर्म, प्रोड्यूसर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स के हितों की रक्षा करने के मकसद से उठाया गया है। सरकार का यह नया नोटिस कई व्ज्ज प्लेटफॉर्म और कंटेंट मालिकों की शिकायतों के बाद आया है। इन शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि कॉपीराइट वाली फिल्में और वेब सीरीज बिना इजाजत के टेलीग्राम पर बड़े पैमाने पर शेयर की जा रही थीं।*

लालू–राबड़ी को फिर मिली जेड कैटेगरी सुरक्षा

पटना। बिहार सरकार ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को जेड कैटेगरी की सुरक्षा दी है। इससे पहले उनकी सुरक्षा कम कर दी गई थी। उन्हें बुलेटप्रूफ कारें भी दी गई हैं। राज्य सरकार द्वारा समीक्षा के बाद इस जोड़े की सुरक्षा काफी कम कर दी गई थी। इस फैसले से जबरदस्त राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। सांकेतिक विरोध दर्ज कराने के लिए, उन्होंने उन सरकारी सुरक्षाकर्मियों को वापस कर दिया था जो उनकी सुरक्षा के लिए तैनात किए गए थे। RJD ने आरोप लगाया था कि सुरक्षा में कटौती का मकसद विपक्षी नेताओं को निशाना बनाना था। पार्टी का दावा था कि बिहार में NDA सरकार, विपक्षी नेताओं की सुरक्षा कम करके उनके कद को घटाना चाहती थी। बाद में बिहार सरकार ने कहा कि ये बदलाव खतरे के आकलन के आधार पर की गई नियमित समीक्षा का हिस्सा थे।

नागरिक देवो भवः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश

भारत का राष्ट्रहित सर्वोपरि, अफवाह फैलाने वाले निराश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन किया और संशोधित न्क ।छ (उड़े देश का आम नागरिक) योजना लॉन्च की। इसके साथ ही उन्होंने ग्रीनफील्ड रिफाइनरी–सह–पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स से रिफाइनरी प्रोडक्शन टैंकरों को हरी झंडी दिखाई। इस कॉम्प्लेक्स को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (भ्च्ब्स्) और राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम के तौर पर विकसित किया गया है और प्रधानमंत्री मोदी ने इसी कार्यक्रम में इसे राष्ट्र को समर्पित किया था। नरेंद्र मोदी ने राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती हुए लगभग 54,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। वहीं, अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में स्थान–स्थान पर इतनी बड़ी मात्रा में लोगों का एकत्र होना, हम सबको आशीर्वाद देना। ये दिखाता है कि भाजपा सरकार के प्रयासों पर आपका विश्वास कितना बुलंद है। मैं इस समर्थन और स्नेह के लिए राजस्थान की माटी का ऋणी हूं। उन्होंने कहा कि ये धरती अनगिनत वीरों के शौर्य की साक्षी रही है। इस रण के कण–कण ने हमें स्वाभिमान को सर्वोपरि रखने की सीख दी है। और व्यक्ति एवं देश का स्वाभिमान तभी ऊंचा रह सकता है, जब वो आत्मनिर्भर हो, दूसरों पर कम से कम निर्भर हो। आज राजस्थान की इस धरती से भारत ने विकसित और आत्मनिर्भर होने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस रिफाइनरी को देश को समर्पित किया गया है। ये रिफाइनरी यहां हजारों लोगों के रोजगार का माध्यम बनेगी। मैं राजस्थान के युवाओं को इस रिफाइनरी की विशेष तौर पर बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज का दिन साक्षी है कि भाजपा सरकारें परियोजनाओं को सिर्फ शिलान्यास करके नहीं छोड़ती। बल्कि हम उन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भी दिन–रात एक कर देते हैं। दो महीने पहले यहां जो हादसा हुआ, उसके बाद इतनी तेजी से काम पूरा कर लेना भी परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आप सबने दिखा दिया है कि चुनौती चाहे कितनी भी बड़ी और अप्रत्याशित क्यों न हो, नया भारत अपने संकल्पों से न तो पीछे हटता है और न ही अपनी रफ्तार कम करता है। मोदी ने कहा कि आज ही, जोधपुर में नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन किया गया है। ये मारवाड़ में पर्यटन, व्यापार और रोजगार को नई गति देगा। इस कार्यक्रम में जो लोग जोधपुर से जुड़े हैं, मैं उनका विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। जोधपुर से ही आज उड़ान योजना के नए चरण की भी शुरुआत हुई है।

दिल्ली सरकार ने खत्म की वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था, सरकारी दफ्तर अब नियमित समय पर खुलेंगे

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने के बाद दिल्ली सरकार ने सरकारी कार्यालयों में लागू विशेष व्यवस्थाएं समाप्त करने का फैसला किया है। इसके तहत बुधवार और शनिवार को लागू वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था वापस ले ली गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के सभी कार्यालयों के कार्य समय में भी संशोधन किया गया है। नए आदेश के अनुसार, अब दिल्ली सरकार के सभी कार्यालय सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक नियमित रूप से संचालित होंगे। वहीं, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मचारियों के लिए पहले से निर्धारित सुबह 8: 30 बजे से शाम 5 बजे तक का कार्य समय यथावत रहेगा और उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पूर्वान्चल में साहित्य सरोकारों की पीढ़ी तैयार कर रहे हैं डॉ. रामकृष्ण लाल जगमग–डा. वी.के. वर्मा

राष्ट्रीय साहित्य भाष्कर सम्मान से सम्मानित किये गये डॉ. रामकृष्ण लाल जगमग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पिछले 5 दशक से साहित्य साधना में समर्पित 8 पुस्तकों के रचयिता और दुमदार दोहों के जनक 74 वर्षीय डॉ. राम .ष्ण लाल 'जगमग' के रचना संसार और व्यक्तित्व .तित्व पर शनिवार को प्रेस क्लब सभागार में गोष्ठी के साथ ही राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र और संचालन डा. अफजल हुसेन अफजल ने किया। संगोष्ठी में वक्ताओं और कवि, शायरों ने डॉ. राम .ष्ण लाल 'जगमग' को अंग वस्त्र भेंट करने के साथ ही राष्ट्रीय साहित्य भाष्कर सम्मान के साथ सम्मानित किया।साहित्यिक संस्था अदबी संगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये कवि एवं चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने ने

कहा कि डॉ. जगमग की साहित्य यात्रा स्वंय में विविधता लिये हुये हैं. उनकी .ति 'चाशनी' से लेकर ' किसी की दिवाली किसी का दिवाला' विलाप खण्ड काव्य, 'हम तो केवल आदमी है' ' सच का दस्तावेज' खुशियों की गौरैया, 'बाल सुमन' बाल चेतना, नन्हें मुन्नों का संसार आदि .तियों में वे कभी हास्य तो कभी गंभीर दर्शन के रूप में आम आदमी की पीड़ा व्यक्त करते हुये उनका प्रतिनिधित्व करते हैं। कहा कि इन दिनों वे 'स्वामी विवेकानन्द' पर केन्द्रित महाकाव्य का सृजन कर रहे हैं, निश्चित रूप से उनका साहित्यिक संसार घोर तमस में समाज का पथ पदर्शन करेगा। डॉ. राम .ष्ण लाल 'जगमग' पूर्वान्चल में समर्थ कवियों की पीढी तैयार कर रहे हैं।प्रेस क्लब अध्यक्ष और शायर विनोद उपाध्याय ने कहा कि डॉ. राम .ष्ण लाल 'जगमग' से नई पीढी बहुत कुछ सीख सकती है। उन्होने पूरा जीवन साहित्यिक सरकारों को समर्पित कर दिया। बी.के. मिश्र ने कहा कि डा. जगमग का रचना संसार जन सरोकारों से जहां सीधा जुड़ा है वहीं उनके कटाक्ष और तीखे व्यंग्य श्रोताओं की जुबान पर चढ़े हुये है। दीपक सिंह प्रेमी ने कहा कि डॉ. जगमग का रचना संसार व्यापक है। अध्यक्षता करते हुये डॉ. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र ने कहा कि डॉ. जगमग का जीवन साहित्य को समर्पित है. कवि सम्मेलनों में वे आम आदमी की भावना को सहज रूप में छू जाते हैं। अदबी संगम, वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति और विक्रमशील हिन्दी विद्यापीठ भागलपुर द्वारा विभिन्न अंलकरणों से किये गये सम्मान से अभिभूत डा. जगमग ने कहा कि उन्होने जिस तरह से जीवन को देखा उसे शव्दों में उतार दिया. यह क्रम अनवरत जारी है। कहा कि स्वामी विवेकानन्द पर केन्द्रित महाकाव्य की रचना शीघ्र पाठकों के सम्मुख होगी। पत्रकार जयंत मिश्र ने कहा कि देश विदेश के कवि मंचों पर अनिवार्य स्थान बना चुके डा. जगमग नयी पीढी के लिये साहित्य की पाठशाला हैं। डा. जगमग साहित्य के क्षेत्र में नयी पीढी के मार्गदर्शक हैं।कार्यक्रम के दूसरे चरण में आयोजित कवि सम्मेलन में ताजीर वस्तवी, सलीम बस्तवी, दीपक सिंह प्रेमी, अर्चना श्रीवास्तव, शायर वसीउल हक 'वसी', मकसूद वस्तवी, अनवार पारसा, जगदम्बा प्रसाद 'भावुक', हरिकेश प्रजापति, डा. राजेन्द्र सिंह 'राही', विनोद उपाध्याय, डा. वी.के. वर्मा, डा. पारस वैद्य, तेज प्रकाश शुक्ल, समीर तिवारी, अफजल हुसेन अफजल, आदि ने रचनाओं के माध्यम से वातावरण को सरस कर दिया। देर तक चले कार्यक्रम में बडी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जनसंपर्क और विकास कार्यों से चर्चा में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, जनता के बीच बढ़ रही सक्रियता

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी इन दिनों अपनी सक्रिय कार्यशैली, जनसंपर्क और विकास कार्यों को लेकर जिले भर में चर्चा का विषय बने हुए हैं। गांव से लेकर शहर तक आम लोगों के बीच उनकी लगातार मौजूदगी और जनसमस्याओं के समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों की व्यापक चर्चा हो रही है।स्थानीय लोगों के अनुसार, पूर्व के अधिकांश जिला पंचायत अध्यक्षों की सक्रियता मुख्य रूप से कार्यालय तक सीमित दिखाई देती थी, जबकि संजय चौधरी नियमित रूप से जिला पंचायत कार्यालय में लोगों की समस्याएं सुनने के साथ–साथ गांव–गांव पहुंचकर नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। इससे उनकी कार्यशैली की चर्चा जनचौपालों से लेकर सोशल मीडिया तक हो रही है।बताया जा रहा है कि संजय चौधरी केवल योजनाओं की समीक्षा तक

सीमित नहीं रहते, बल्कि विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का स्वयं निरीक्षण करते हैं। गेट निर्माण, सड़क निर्माण, नाला निर्माण, भवन निर्माण, सामुदायिक भवन सहित विभिन्न जनहित की परियोजनाओं को गति देने के लिए उनके प्रयासों की लोग सराहना कर रहे हैं।स्थानीय नागरिक उन्हें सहज, मिलनसार और जनसरोकारों से जुड़े जनप्रतिनिधि के रूप में देखते हैं। लोगों का कहना है कि वे बिना किसी औपचारिकता के आम नागरिकों से मिलते हैं, उनकी समस्याएं सुनते हैं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देते हैं। इसी कारण ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।हालांकि, यह उल्लेखनीय है कि ष्सबसे सक्रिय जिला पंचायत अध्यक्षष या ष्अब तक का सबसे प्रभावी कार्यकालष जैसे दावे जनचर्चाओं और स्थानीय लोगों की राय पर आधारित हैं। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती। इतना अवश्य है कि उनकी सक्रियता और जनसंपर्क को लेकर जिले में व्यापक चर्चा देखने को मिल रही है।

बस्ती सदर विधानसभा में भाजपा नेता अरविंद पाल ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। राष्ट्रव्यापी अभियान ष्एक पेड़ माँ के नामष के अंतर्गत

बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र में वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद पाल ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्र.ति का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।अरविंद पाल ने कहा कि ष्एक पेड़ माँ के नामष केवल एक पर्यावरणीय अभियान नहीं, बल्कि मातृशक्ति के प्रति सम्मान, धरती माँ के प्रति .तज्ञता और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने का राष्ट्रीय संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि अपनी माँ के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और बढ़ते तापमान जैसी चुनौतियों से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए आगे आना चाहिए।वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद पाल ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर इस पुनीत अभियान को जन–जन तक पहुंचाएं तथा पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का संकल्प बनाते हुए हरित, समृद्ध और संतुलित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, उसकी नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है, तभी इस अभियान का उद्देश्य सार्थक होगा।

डग्गामार और स्लीपर बसों के खिलाफ अभियान में 11 बसों का 01 लाख 11 हजार रु0 का किया गया चालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीरनगर।पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के कुशल निर्देशन में शून्य सहनशीलता नीति के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले और अवैध रूप से संचालित वाहनों के खिलाफ संतकबीरनगर पुलिस / एआरटीओ0 द्वारा सख्त अभियान चलाया जा रहा है।जेडएफडी प्रोग्राम के अंतर्गत एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ए.आर.टी.ओ. प्रियंवदा सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात अमित कुमार एवं यातायात प्रभारी परमहंस द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए जनपद के विभिन्न मार्गों पर अवैध रूप से संचालित डग्गामार बसों और स्लीपर बसों की सघन चेकिंग की।11 बसों का किया गया चालानरू– चेकिंग के दौरान आवश्यक दस्तावेज न होने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 11 बसों का 01 लाख 11 हजार रु0 का चालान किया गया ।प्रेशर हॉर्न और प्रदूषण पर कार्रवाईरू– ध्वनि

प्रदूषण फैलाने वाले अवैध प्रेशर हॉर्न और तय मानकों से अधिक धुआं छोड़ने वाली (प्रदूषण फैलाने वाली) बसों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके चालान काटे गए।संयुक्त टीम द्वारा स्पष्ट संदेश दिया गया है कि जनपद की सीमाओं के भीतर किसी भी प्रकार के अवैध वाहन संचालन, डग्गामार बसों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को कतई बख्शा नहीं जाएगा। आम जनता की सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए इस प्रकार के औचक चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

17 साल से एक ही गांव में जमे सफाई कर्मचारी का ट्रांसफर कब होगा? नियम और प्रक्रिया क्या है

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। मेहदावल ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलौली में तैनात संजय कुमार सफाई कर्मचारि एक ही स्थान पर लंबे समय तक जमे रहने की समस्या अक्सर सामने आती है। उत्तर प्रदेश में नियम है कि किसी भी कर्मचारी को एक ही ग्राम पंचायत में 3 से 5 साल से अधिक नहीं रखा जाना चाहिए। इसके पीछे मकसद है काम में पारदर्शिता लाना और सभी गांवों में बराबर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करना। लेकिन हकीकत में कई कर्मचारी 10, 15 यहां तक कि 17 साल से एक ही गांव में डटे हुए हैं। इस संबंध में एडियो पंचायत दाल सिंगार यादव ने बताया कि ट्रांसफर प्रक्रिया हमारे हाथ में नहीं है हमारे द्वारा लिस्ट बनाकर भेजी जाती है डीपीआरओ कार्यालय और वहीं से ट्रांसफर की जाती है इस माह में लिस्ट बनाकर जिले पर भेजी जा रही है।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों की सूची का आलेख्य प्रकाशन किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर । जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी

आलोक कुमार ने बताया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के निर्देशों एवं गाइडलाइन के अनुरूप जनपद में अवस्थित समस्त 03 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों यथा 312–मेंहदावल, 313–खलीलाबाद, 314–धनघटा (अ0जा0) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों का सम्भाजन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम–1951 की धारा–25 के अन्तर्गत किया गया है।उन्होंने बताया कि मा0 आयोग की गाइडलाइन्स के अनुरूप किये गये मतदेय स्थलों के सम्भाजन तथा आयोग द्वारा निर्धारित समय–सारणी के क्रम में जनपद की समस्त 03 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों की सूचियों का आलेख्य प्रकाशन आज दिनांक 04 जुलाई, 2026 को कर दिया गया है।आलेख्य प्रकाशित मतदेय स्थलों की सूचियां सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालयों (तहसील कार्यालयों) तथा जिला निर्वाचन कार्यालय संत कबीर नगर एवं जनपद की वेबसाइट पर जनसामान्य के निःशुल्क निरीक्षण हेतु उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त आलेख्य रूप से प्रकाशित मतदेय स्थलों की सूचियों के बावत आपत्ति एवं सुझाव दिनांक 17 जुलाई, 2026 तक उपरोक्त प्रकाशन स्थलों पर दिया जा सकता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का लखनऊ में भव्य स्वागत, मुख्यमंत्री योगी ने एयरपोर्ट पर किया अभिनंदन

लखनऊ, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नितिन नबीन के पहली बार लखनऊ आगमन पर राजधानी में उनका भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुष्पगुच्छ भेंट कर और भगवा अंगवस्त्र पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार के मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों से राष्ट्रीय अध्यक्ष का परिचय भी कराया।दो दिवसीय संगठनात्मक प्रवास पर उत्तर प्रदेश पहुंचे नितिन नबीन के स्वागत के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता, प्रदेश सरकार के मंत्री और संगठन के अनेक पदाधिकारी एयरपोर्ट पर मौजूद रहे। स्वागत के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सामाजिक माध्यम श्एक्सश पर नितिन नबीन के स्वागत को लेकर संदेश साझा करते हुए लिखा कि प्रभु श्रीराम और लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण की चरणरज से पावन हुई संस्कृति, संस्कार और सृजन की साधना स्थली उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।एयरपोर्ट पर स्वागत करने वालों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेंद्र चौधरी, ए.के. शर्मा, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता श्नंदीश, संजय निषाद, दारा सिंह चौहान और जेपीएस राठौर शामिल रहे।इसके अलावा राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, संजय सेठ और ब्रजलाल, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, संगठन पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए उपस्थित रहे।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस दो दिवसीय उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान संगठनात्मक बैठकों, जनप्रतिनिधियों के साथ विचार–विमर्श तथा पार्टी की आगामी रणनीति को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी संगठन की दृष्टि से इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीएम फसल बीमा योजनाः– किसानों के लिए सुरक्षा कवच, धान एवं मक्का फसल का समय से कराएं बीमा

कुशीनगर। वर्तमान खरीफ सत्र में जनपद में लगभग एक लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में धान की खेती की जानी है। जनपद में धान एवं मक्का की फसल प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत आच्छादित है। योजना के तहत भारतीय कृषि बीमा कंपनी नामित बीमा कंपनी है। धान की फसल का बीमा कराने हेतु किसानों को बीमित धनराशि का मात्र 2 प्रतिशत प्रीमियम यानी 1,634 रूपए प्रति हेक्टेयर जमा करना होगा। उक्त जानकारी उप कृषि निदेशक ने देते हुए बताया कि मौसम की अनिश्चितता एवं प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसलों को होने वाले नुकसान से किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है। कम वर्षा, असफल बुवाई, खड़ी फसल में कीट एवं रोगों से क्षति, अनावृष्टि, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, जल भराव, भूस्खलन, बिजली गिरने सहित अन्य प्राकृतिक कारणों से फसल नष्ट होने अथवा उत्पादन में कमी आने पर नियमानुसार बीमा कंपनी द्वारा क्षतिपूर्ति प्रदान की जाती है। योजना के अंतर्गत ऋणी एवं गैर–ऋणी दोनों प्रकार के किसान अपनी फसल का बीमा करा सकते हैं। ऋणी किसान अपने बैंक के माध्यम से तथा गैर–ऋणी किसान कॉमन सर्विस सेंटर, सीएससी से प्रधानमंत्री फसल बीमा पोर्टल (www-pmfby-gov-in) अथवा अधिकृत बीमा प्रतिनिधि के माध्यम से बीमा करा सकते हैं। बीमा कराने के लिए आधार कार्ड, फसल बुवाई की घोषणा, नवीनतम खतौनी एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति आवश्यक होगी। उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए तहसील स्तर पर फसल बीमा प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गई है। किसान योजना से संबंधित किसी भी जानकारी अथवा सहायता के लिए संबंधित प्रतिनिधियों से संपर्क कर सकते हैं। जिला समन्वयक प्रिंस कुमार मिश्रा (मो. 9549634331), पडरौना तहसील के लिए आकाश कुमार गौड़ (मो. 8423611651), खड्डा तहसील के लिए मनीष कुमार सिंह (मो. 9721108986), कप्तानगंज तहसील के लिए वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय (मो. 6394380693), हाटा तहसील के लिए ज्ञानजीत वर्मा (मो. 9450945711), कसया तहसील के लिए अभय प्रताप सिंह (मो. 8009952236) तथा तमकुहीराज तहसील के लिए आलोक गुप्ता (मो. 7518207819) से संपर्क किया जा सकता है।उन्होंने जनपद के सभी किसानों से अपील किया है कि वे समय रहते अपनी धान एवं मक्का की फसल का बीमा कराकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ अवश्य उठाएं, ताकि किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया हुई और सरल, जल्द शुरू होगा नया ऑनलाइन पोर्टल

कुशीनगर। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश के सूचना निदेशक विशाल सिंह द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकारों के हितार्थ महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके अंतर्गत अब पत्रकार बन्धुओं को आयुष्मान कार्ड प्राप्त करना और अधिक सरल एवं सुविधाजनक होगा। उक्त जानकारी सूचना निदेशक के हवाले से सहायक निदेशक सूचना कुशीनगर ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी है। उन्होंने बताया कि जिन पत्रकार बन्धुओं ने आयुष्मान कार्ड हेतु आवेदन किया है, किन्तु किसी कारणवश उनका कार्ड अभी तक नहीं बन पाया है, वे इमदमपिबपंतल.दींहवअ.पद पोर्टल पर जाकर अपने आवेदन की स्थिति स्टेटस देख सकते हैं। यदि पोर्टल पर उनका नाम प्रदर्शित हो रहा है और किसी प्रकार के संशोधन की आवश्यकता है, तो वे अपने संबंधित जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक संशोधन करा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि जिन पत्रकार बन्धुओं ने अभी तक आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन नहीं किया है अथवा आवेदन के बावजूद उनका कार्ड निर्गत नहीं हुआ है। उनके लिए शीघ्र ही एक नया ऑनलाइन पोर्टल प्रारम्भ किया जाएगा। पोर्टल शुरू होने के बाद पत्रकार बन्धु अपने जनपद के जिला सूचना अधिकारी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त पत्रकार बन्धुओं को अवगत कराया कि वे आयुष्मान कार्ड से संबंधित किसी भी जानकारी अथवा सहायता के लिए जिला सूचना कार्यालय से संपर्क कर सकते है। नए पोर्टल के प्रारम्भ होते ही इसकी सूचना तत्काल उपलब्ध करा दी जाएगी। ताकि पात्र पत्रकार बन्धु इस सुविधा लाभ प्राप्त कर सकें।

जनपद के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदेय स्थलों की सूची का आलेख प्रकाशित

कुशीनगर। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा– 25 के अंतर्गत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में जनपद के विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 329–खड्डा, 330–पडरौना, 331–तमकुहीराज, 332–फाजिलनगर, 333–कुशीनगर, 334–हाटा एवं 335–रामकोला (अ.जा.) के मतदेय स्थलों की सूची का आलेख आज 04 जुलाई को प्रकाशित कर दिया गया है। उक्त जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी, एडीएम वैभव मिश्रा ने देते हुए बताया है कि प्रकाशित मतदेय स्थलों की सूची के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति अथवा सुझाव प्रस्तुत करना हो, तो वह अपना अभ्यावेदन संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारीध्उप जिलाधिकारी के कार्यालय, तहसील कार्यालय या जिला निर्वाचन कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते है।

उन्होंने जनपद के समस्त नागरिकों एवं संबंधित पक्षों से अपील किया है कि प्रकाशित मतदेय स्थलों की सूची का अवलोकन कर आवश्यक होने पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने सुझाव एवं आपत्तियाँ समय से उपलब्ध कराएं।

ननिहाल पहुंचीं प्रशिक्षु आईपीएस रोली मद्धेशिया का चेयरमैन उमा अग्रवाल ने किया भव्य स्वागत

असफलता से घबराएं नहीं, लक्ष्य पर रखें पूरा विश्वास– रोली मद्धेशिया, (आईपीएस)

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। शनिवार को प्रशिक्षु आईपीएस रोली मद्धेशिया के पहली बार अपने ननिहाल आगमन पर शोहरतगढ़ नगर पंचायत के वार्ड मां भारती नगर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन उमा अग्रवाल एवं उनके प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने नगरवासियों की ओर से पुष्पमाला पहनाकर एवं बुकें देकर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।रोली मद्धेशिया का ननिहाल वार्ड मां भारती नगर निवासी अशोक कुमार मद्धेशिया के आवास पर है। यहां पहुंचने पर उनकी नानी गीता मद्धेशिया ने तिलक लगाकर, माला पहनाकर और मुंह मीठा कराकर स्नेहपूर्वक स्वागत किया। मामा अशोक कुमार मद्धेशिया ने कहा कि रोली ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल परिवार, बल्कि शोहरतगढ़ का भी गौरव बढ़ाया है।जानकारी के अनुसार, वार्ड मां भारती नगर निवासी हरिराम मद्धेशिया की पुत्री नीलम मद्धेशिया का विवाह जनपद बहराइच के मिहींपुरवा में हुआ था। रोली मद्धेशिया, नीलम और संतोष कुमार मद्धेशिया की इकलौती पुत्री हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस से स्नातक तथा आईआईटी मुंबई से स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी शुरू की और लगातार प्रयास करते हुए चौथे प्रयास में अखिल भारतीय 457वीं रैंक प्राप्त की। साक्षात्कार के उपरांत 6 मार्च 2026 को उनका भारतीय पुलिस सेवा के लिए चयन हुआ। वर्तमान में वह उत्तराखंड के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में फाउंडेशन कोर्स के बाद आईपीएस प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।इस अवसर पर रोली मद्धेशिया ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि असफलता से कभी निराश नहीं होना चाहिए। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और निरंतर मेहनत की जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने युवाओं से मन लगाकर पढ़ाई करने और ऐसे मुकाम तक पहुंचने का आह्वान किया, जिससे उनके जिले और प्रदेश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा में रहते हुए महिलाओं की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देते हुए पूरी निष्ठा से देश की सेवा करेंगी।कार्यक्रम में भाई कमल कुमार मद्धेशिया, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सभासद वकील खान, जीतेंद्र मद्धेशिया, धर्मेंद्र मद्धेशिया, किशोरीलाल गुप्ता, जितेंद्र सिंह, श्रवण कुमार अग्रवाल, महेश गुप्ता, राणा प्रताप सिंह, तुषार अग्रवाल, अर्पित अग्रवाल, अमित जालान, मायादेवी, तारा, मधु, रूपल, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं परिजन उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र सोहना में वृहद वृक्षारोपण, किसानों को वितरित किए गए 300 से अधिक पौधे

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर। वन महोत्सव–2026 के तहत .षि विज्ञान केंद्र (केवीके) सोहना, सिद्धार्थनगर में शनिवार को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान केंद्र परिसर एवं आसपास विभिन्न फलदार और वानिकी प्रजातियों

के पौधों का रोपण किया गया। साथ ही किसानों को 300 से अधिक फलदार एवं वानिकी पौधों का निःशुल्क वितरण कर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का संदेश दिया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की।.षि अभियंत्रण वैज्ञानिक इं. अशोक कुमार पाण्डेय ने किसानों को अपने खेतों की मेड़ों पर उपयोगी एवं लाभकारी वृक्ष लगाने की सलाह दी। वहीं .षि प्रसार वैज्ञानिक डॉ. शेष नारायण सिंह ने पौधरोपण से होने वाले पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों की विस्तार से जानकारी दी।उद्यान वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र ने बताया कि पीपल, पाकड़, बरगद, नीम, कदंब और पलाश जैसे छायादार वृक्ष तथा आम, लीची, आंवला, जामुन और अमरूद जैसे फलदार पौधे वातावरण में बढ़ी कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।बीज वैज्ञानिक डॉ. सर्वजीत ने जैव विविधता के संरक्षण के लिए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाने पर बल दिया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. प्रवेश कुमार ने कहा कि वृक्षारोपण से मिट्टी के कटाव और क्षरण को रोकने में मदद मिलती है। पशु वैज्ञानिक सुनील सिंह ने इसे जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने का प्रभावी उपाय बताया।कार्यक्रम में नीलम सिंह, डॉ. मार्कंडेय सिंह, दीप नारायण सिंह, विजय यादव, ओम प्रकाश एवं चौतु प्रसाद सहित बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश दिया।

नामांकन में लापरवाही पर कई बीईओ को नोटिस, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता तथा मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में शनिवार को सिद्धार्थ सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीएम श्री विद्यालय, मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, विद्यालय निर्माण कार्य और नामांकन अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में जिलाधिकारी ने पीएम श्री स्कूल फेज–1 एवं फेज–2 में गैप्स के पैरामीटर की समीक्षा करते हुए निपुण लक्ष्य के लिए जारी दिशा–निर्देशों का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रथम चरण में स्वी.त मुख्यमंत्री मॉडल एवं

अभ्युदय कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के पुनर्निर्माण और दिव्यांग शौचालय निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए पूर्ण हो चुके कार्यों को शीघ्र हैंडओवर कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अतिरिक्त डारमेट्री, कंप्यूटर लैब सहित अन्य निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने को कहा। साथ ही पीएम श्री विद्यालयों के निरीक्षण के लिए टीम गठित कर सघन निरीक्षण कराने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों और पीएम श्री स्कूलों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।बैठक में नामांकन अभियान की समीक्षा के दौरान प्रगति संतोषजनक न मिलने पर जिलाधिकारी ने जोगिया, इटवा, डुमरियागंज एवं खुनियांव के खंड शिक्षा अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के कम नामांकन पर बांसी, मिठवल और बर्डपुर के खंड शिक्षा अधिकारियों को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिला एवं ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण करे। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में अब तक 44,974 बच्चों का नामांकन हुआ है, जिसे और बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में भी लक्ष्य के अनुरूप नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि 3 से 6 वर्ष तक के सभी बच्चों का आंगनबाड़ी केंद्रों पर तथा 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का विद्यालयों में अनिवार्य रूप से नामांकन कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ष्कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित नहीं रहना चाहिए।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन।विकास खण्ड लोटन ब्लॉक सभागार में उत्तर प्रदेश

उद्योग व्यापार संगठन लोटन ब्लाक की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजय कसौधन ने किया।बैठक में लोटन क्षेत्र के व्यापारीयो ने बड़ी संख्या में भाग लिया।बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाते हुए व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु नई कार्यकारिणी का गठन करना था।बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन लोटन ब्लाक की नवीन कार्यकारिणी का ब्लॉक अध्यक्ष अनुराग कसौधन को सर्वसम्मति से चुना गया। राजकुमार जायसवाल को संरक्षक, रवि जायसवाल को वरिष्ठ महामंत्री, पिंकू गुप्ता को संगठन मंत्री के रूप में चुना गया।ब्लॉक अध्यक्ष अनुराग कसौधन ने कहा कि व्यापारी हितों की रक्षा, व्यापारियों के अधिकारों के लिए संघर्ष तथा संगठन को गांव–गांव और बाजार–बाजार तक मजबूत करन हमारा काम है।बैठक में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं, बाजारों में व्याप्त अव्यवस्थाओं, व्यापारिक सुरक्षा, सरकारी योजनाओं के लाभ तथा स्थानीय व्यापार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी व्यापारियों ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और व्यापारी हितों की लड़ाई को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।उक्त समय पर मनीष विश्वकर्मा, ऋषि जायसवाल,दिलीप जायसवाल,शिवम विश्वास, बालगोविंद जायसवाल, रमेश जायसवाल आदि मौजूद रहे।

पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने किया वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आयोजित सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत शुक्रवार को नगर पंचायत गनेशपुर

कार्यालय परिसर में ष्एक पेड़ माँ के नामष् अभियान के तहत बस्ती सदर के पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण के लिए जनसहभागिता पर विशेष बल दिया।पौधारोपण के उपरांत पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी का अमूल्य आभूषण हैं। ये न केवल हमें शुद्ध वायु और जीवनदायी वातावरण प्रदान करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव भी हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि ष्एक पेड़ माँ के नामष् अभियान केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मातृ सम्मान, प्र.ति संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का सशक्त संदेश है। इस अभियान से जुड़कर हर व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण के इस जन अभियान को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।पौधों रोपण करते समय मुख्य रूप से अधिशासी अधिकारी अजय कुमार पांडेय, दुर्गा प्रसाद चौधरी, आशीष चौधरी, राजन पांडेय, महेंद्र चौधरी, लालचंद चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कम्युनिटी पुलिसिंग को लेकर सीओ मयंक द्विवेदी ने की बैठक

कवच परियोजना के तहत पीयर एजुकेटर प्रशिक्षण सम्पन्न, बाल संरक्षण एवं रिपोर्टिंग प्रणाली पर दिया गया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। कवच परियोजना के अंतर्गत समुदाय में बाल संरक्षण व्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान द्वारा थाना शोहरतगढ़ के पुलिस सभागार में ष्पीयर एजुकेटर प्रशिक्षण कार्यक्रमष् आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य विषय ष्बाल संरक्षण के मुद्दे एवं रिपोर्टिंग सिस्टमष् रहा। प्रशिक्षण में विभिन्न ग्राम पंचायतों के पीयर एजुकेटरों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। डिस्ट्रिक्ट लीड प्रसून शुक्ला ने प्रतिभागियों को बाल अधिकारों, बाल संरक्षण से जुड़े प्रमुख मुद्दों, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी तथा बच्चों के विरुद्ध होने वाली हिंसा की पहचान एवं ऐसे मामलों की समयबद्ध और प्रभावी रिपोर्टिंग प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही समुदाय में जनजागरूकता बढ़ाने

तथा बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पीयर एजुकेटरों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।पुलिस क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी ने कहा कि बाल संरक्षण से जुड़े किसी भी मामले की सूचना संबंधित विभागों तक तत्काल पहुंचाना प्रत्येक नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी है। समय पर सूचना मिलने से बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।प्रशिक्षण का उद्देश्य पीयर एजुकेटरों को आवश्यक ज्ञान एवं कौशल से सशक्त बनाना था, ताकि वे अपने–अपने क्षेत्रों में बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों और संरक्षण के प्रति प्रभावी जनजागरूकता फैला सकें। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को क्षेत्राधिकारी कार्यालय, मिशन शक्ति कक्ष एवं साइबर सेल का भ्रमण कराया गया।

इस दौरान पीयर एजुकेटरों ने पुलिस अधिकारियों से बाल सुरक्षा, साइबर अपराध और कानूनी प्रक्रियाओं से जुड़े अपने सवाल पूछे, जिनका अधिकारियों ने विस्तारपूर्वक समाधान किया। प्रशिक्षण का समापन सशक्त साथी, सुरक्षित बच्चे, सशक्त समुदाय के संदेश के साथ हुआ। सभी प्रतिभागियों ने अपने–अपने क्षेत्रों में बाल संरक्षण के प्रति सक्रिय रहकर बच्चों के हित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एमआईएस अभिषेक मिश्रा, जिला सलाहकार जय प्रकाश गुप्ता, फील्ड कोऑर्डिनेटर अशोक विश्वकर्मा, ब्लॉक समन्वयक अमन शर्मा सहित ग्रामीण क्षेत्रों की बड़ी संख्या में पीयर एजुकेटर्स उपस्थित रहीं।

बीएचएनडी दिवस निरीक्षण में लापरवाही पर डीएम सख्त, एएनएम और आशा कार्यकर्ता को नोटिस जारी करने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने शनिवार को विकास खंड नौगढ़ के ग्राम पंचायत सोनवल स्थित पंचायत भवन में आयोजित बीएचएनडी (ब्रॉडर हेल्थ एंड न्यूट्रिशन डे) कार्यक्रम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीकाकरण में लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एएनएम पूनम पाण्डेय से टीकाकरण के लिए तैयार की गई ड्यू लिस्ट के सापेक्ष हुए टीकाकरण की जानकारी ली। एएनएम ने बताया कि 0 से 1 वर्ष आयु वर्ग के 6 बच्चों की ड्यू लिस्ट के मुकाबले केवल 3 बच्चों का ही टीकाकरण कराया गया है।इसके बाद जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्र पर गर्भवती महिलाओं का रजिस्टर भी जांचा। रजिस्टर के अनुसार 4 गर्भवती महिलाओं में से केवल 1 महिला का ही टीकाकरण किया गया था। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए एएनएम पूनम पाण्डेय एवं आशा कार्यकर्ता सरिता पाण्डेय को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा को निर्देशित किया कि वे गांव में घर–घर जाकर टीकाकरण से एक दिन पहले गर्भवती महिलाओं और बच्चों के अभिभावकों को सूचित करें, ताकि कोई भी लाभार्थी टीकाकरण से वंचित न रहे।उन्होंने एएनएम को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा और कोई भी गर्भवती महिला स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण से छूटनी नहीं चाहिए। साथ ही गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

माय भारत अभियान को गति देने के निर्देश, डीएम ने अधिक से अधिक युवाओं का पंजीकरण सुनिश्चित कराने पर दिया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में माय भारत (मेरा युवा भारत), सिद्धार्थनगर की जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026–27 की कार्ययोजना, युवा पंजीकरण अभियान और विभिन्न युवा–केंद्रित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर

चर्चा की गई।बैठक के दौरान जिला युवा अधिकारी निशांत कुमार चौहान ने जिलाधिकारी को मेरा युवा भारत की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और वर्तमान गतिविधियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने वर्ष 2026–27 की वार्षिक कार्ययोजना भी प्रस्तुत की तथा सघन पंजीकरण अभियान के पोस्टर का अनावरण कराया।बैठक में माय भारत पोर्टल पर अधिक से अधिक युवाओं के पंजीकरण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों, विशेष रूप से माध्यमिक शिक्षा विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि विद्यालयों और महाविद्यालयों में व्यापक स्तर पर पंजीकरण अभियान चलाकर अधिकाधिक युवाओं को पोर्टल से जोड़ा जाए।उन्होंने सभी सरकारी विभागों और कार्यालयों का भी माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित करने तथा अभियान के सफल संचालन के लिए विभागीय समन्वय को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए।बैठक में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग, यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम, युवा संसद सहित मेरा युवा भारत के विभिन्न युवा–केंद्रित कार्यक्रमों की जानकारी समिति के सदस्यों के साथ साझा की गई। इन कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों से सक्रिय सहयोग देने का अनुरोध भी किया गया।जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि माय भारत की गतिविधियों, वार्षिक कार्ययोजना और सघन पंजीकरण अभियान के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि जिले के अधिक से अधिक युवा इस राष्ट्रीय पहल से जुड़कर इसका लाभ प्राप्त कर सकें।

सम्पादकीय

लेकिन अधिकारी तब जागते हैं जब स्थितियां जटिल हो जाती हैं। वे इन हालातों को अप्रत्याशित आपात स्थिति के रूप में दर्शाने का प्रयास करते हैं। दरअसल,कई स्तरों पर होने वाली कमीशनखोरी व राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते अकसर ठेकेदारों की जवाबदेही तय नहीं की जाती है। विडंबना यह भी है कि निरीक्षण भी अक्सर खानापूर्ति जैसा ही होता है। वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक संरचना ...

सुरक्षित सड़कों की जवाबदेही तय हो

मानसून की बारिश जहां किसानों के लिये राहत लेकर आती हैं, वहीं तंत्र की काहिली और भ्रष्टाचार की पोल भी खोल देती है। मानसून की शुरुआती बारिश ने एक बार फिर सार्वजनिक संरचनाओं की जानलेवा खामियों को ही उजागर किया। मुंबई में बारिश के पानी में नजर न आने वाले एक खुले मैनहोल में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं हाल ही में खुले बहुचर्चित दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे ने पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की बदहाली उजागर कर दी। ये घटनाएं हमें बताती हैं कि बारिश के मौसम में स्थानीय निकायों की लापरवाही व खराब इंजीनियरिंग के चलते कैसे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ जाता है। निस्संदेह, मुंबई में हुए हादसे को रोका जा सकता था। कथित साफ–सफाई के बाद लापरवाही से खुला छोड़ा गया मैनहोल तब जानलेवा बन गया, जब बारिश के पानी से ढका खुला मैनहोल नजर नहीं आया। निस्संदेह, दुर्घटना के बाद अधिकारियों को निलंबित करना और ठेकेदार को काली सूची में डालना, फौरी तौर पर सही कदम है, लेकिन सवाल यह है कि हादसे होने के बाद ही ऐसे कदम क्यों उठाये जाते हैं? पहले से ही नागरिकों की सुरक्षा के लिये चाक–चौबंद व्यवस्था क्यों नहीं होती? कायदे से किसी सड़क पर मैनहोल खोलने से पहले बैरिकेड्स लगाने, चेतावनी देने वाले संकेत और अस्थायी कवर से ढकना बुनियादी सुरक्षा उपाय हैं। जिन्हें अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बीते साल भी दिल्ली में भारी बारिश के दौरान स्कूटर फिसलने से एक महिला और उसका तीन साल का बेटा पानी से भरे नाले में बह गये थे। ये असुरक्षित ड्रेनेज संरचना की घातकता को ही दर्शाता है। विडंबना है कि हमारा तंत्र सालभर सोया रहता है और जब बरसात शुरू होने को होती है, तब मरम्मत– नालों की सफाई के काम की औपचारिकता पूरी करता है। निस्संदेह, संबंधित विभागों के अधिकारियों की सर्वकालिक जवाबदेही तय की जानी चाहिए। फिर किसी भी तरह की लापरवाही होने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे के धंसने की घटना भी एक चिंताजनक स्थिति को दर्शाती है। यह निर्विवाद सत्य है कि कोई सड़क बारिश आने के कारण रातों–रात नहीं धंसती है। इसमें सड़क निर्माण के दौरान सतर्कता की अनदेखी भी शामिल है। दरअसल, सड़क निर्माण के दौरान जल निकासी की कारगर व्यवस्था न होने, मिट्टी की स्थिरता सुनिश्चित न करने और निर्माण में गुणवत्ता की कमी से ही बरसाती पानी सड़क की सतह के नीचे मिट्टी को धीरे–धीरे काटने लगता है। कालांतर यह मिट्टी का कटाव ही सड़क धंसने की वजह बन जाता है। साल 2024 में बिहार में पुलों के ढहने की शृंखला ने भी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग की हकीकत बतायी थी। इसी तरह की चिंताएं अकसर सामने आती हैं जब आधुनिक कहे जाने वाले महानगरों बेंगलुरू और मुंबई में हर मानसून में सड़कों में बने गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इतना ही नहीं इससे यातायात में भी अराजकता व व्यवधान पैदा होता है। बहरहाल, इन सभी घटनाओं के मूल में एक बात तो समान है कि स्थानीय निकाय व प्रशासन जोखिमों का समय रहते अनुमान नहीं लगा पाते हैं। यह तथ्य सभी अधिकारी जानते हैं कि एक निश्चित समय पर मानसून आता है। बाकायदा समय–समय पर सूचना माध्यमों में मौसम विभाग द्वारा मानसून की भविष्यवाणी की जाती है। लेकिन अधिकारी तब जागते हैं जब स्थितियां जटिल हो जाती हैं। वे इन हालातों को अप्रत्याशित आपात स्थिति के रूप में दर्शाने का प्रयास करते हैं। दरअसल,कई स्तरों पर होने वाली कमीशनखोरी व राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते अकसर ठेकेदारों की जवाबदेही तय नहीं की जाती है। विडंबना यह भी है कि निरीक्षण भी अक्सर खानापूर्ति जैसा ही होता है। वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक संरचना का रखरखाव भी निवारक के बजाय प्रतिक्रियात्मक ही रहता है। वास्तव में कारगर समाधान के लिये जरूरी है कि मानसून से पहले सुरक्षा उपायों को संस्थागत ढंग से सुनिश्चित किया जाए, इंजीनियरिंग मानकों को सख्ती से लागू किया जाए, गुणवत्ता की स्वतंत्र जांच हो और ठेकेदार को कानूनी रूप से जवाबदेह बनाया जाए। दुर्घटना होने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय यह सुनिश्चित हो कि ऐसी घटनाएं हो ही न पाएं।

यह सोना आखिर कैसा सोना है

अब लखीमपुर खीरी पुलिस तो यही कह रही है कि सोना पानी से खराब हो गया और जब उसे छत पर सुखाया तो बचे–खुचे को बंदर उठा ले गए। यह चूहे और बंदर जैसे जीव–जंतु सरकार और पुलिस के बड़े काम आते हैं जी सचमुच। सोने की ऐसी दुर्गत हो जाएगी, सचमुच सोचा न था जी। नहीं जी नहीं, इसके लिए प्रधानमंत्री जी कतई जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने तो एक साल तक सोना न खरीदने की सलाह देकर उसका महत्व ही बयान किया था। नजर थोड़े ही लगाई थी। नहीं जी नहीं, राम मंदिर के चढ़ावा चोर भी इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं, बेशक वहां से चढ़ावे की नकदी के साथ ही साथ सोना–चांदी के गहने, मुकुट आदि भी गायब होने के आरोप हैं। सोने की यह दुर्गत तो अभी लखीमपुर खीरी में हुई बताते हैं जी। वैसे लखीमपुर खीरी ने एक जमाने बड़ा नाम कमाया था, जब बताते हैं कि एक नेतापुत्र ने चार–पांच आंदोलनकारी किसानों को अपनी थार से कुचल डाला था। उसके बाद से थार ने भी बड़ा नाम कमाया है। खैर, यह तब की बात है जब दिल्ली के बॉर्डर पर किसानों का आंदोलन चल रहा था। सो, लखीमपुर खीरी ऐसी भी कोई अनजान जगह नहीं है। नेतापुत्र उसे काफी प्रसिद्धि दिला चुके हैं। पर जी, यह सोना ऐसा कैसा सोना है कि बताओ बारिश में खराब हो गया। एक जमाने में लोग अपने सोने के गहने–जेवर और गिन्नियां मिट्टी में, जमीन में ही दबाकर रखते थे और बरसों बाद भी जब वह खजाना किसी के हाथ लगता था, तो ज्यों का त्यों मिलता था। कभी किसी ने शिकायत नहीं कि सोना मिट्टी के साथ मिट्टी हो गया। बारिश से डरने वाले इंसानों तक को इस तरह के ताने सुनने मिल जाते हैं कि अबे मिट्टी का थोड़े ही बना है कि गल जाएगा। पर यह सोना तो एकदम ही मिट्टी निकला जी, जो बारिश से गल गया और गलकर बह गया। माना कि पुलिस के सामने इंसान भी भीगी बिल्ली बन जाता है, लेकिन सोना मिट्टी कैसे बन गया यार। अब लखीमपुर खीरी पुलिस तो यही कह रही है कि सोना पानी से खराब हो गया और जब उसे छत पर सुखाया तो बचे–खुचे को बंदर उठा ले गए। यह चूहे और बंदर जैसे जीव–जंतु सरकार और पुलिस के बड़े काम आते हैं जी सचमुच। चूहे अगर गोदामों में रखा सरकार का राशन चट कर जाते हैं तो वे पुलिस के मालखाने में रखी शराब भी पी जाते हैं। जी, यह कपोल कल्पना नहीं है, इसके प्रमाण हैं। खेद की बात यह है कि सरकार और पुलिस की मदद करने वाले इन चूहों को अभी तक कोई इनाम–इकराम नहीं मिला है। उसके लिए तो वे अभी और इंतजार कर लेते, लेकिन अब इस प्रतियोगिता में बंदर भी आ गए। चूहे तो राशन ही डकार रहे थे, शराब की चुस्की ही ले रहे थे, लेकिन बंदर तो सोना ही पार कर गए। राम मंदिर से सोना पार करने वाले चढ़ावा चोरों से पहले पुलिस की आंखों के सामने से सोना पार करके बंदरों ने साबित कर दिया कि वे सच में इंसानों के पूर्वज हैं।

अलनीनो से निपटने को बने दीर्घकालीन रणनीति

यही कारण है कि सरकार ने राज्यों से स्थानीय परिस्थितियों के मद्देनजर फसल योजना बनाने, कम पानी में बेहतर उपज देने वाली फसलों को बढ़ावा देने और किसानों तक समय पर वैज्ञानिक सलाह पहुंचाने के लिए कहा गया है। यही नहीं, अलनीनो के असर के कारण आपूर्ति में आने वाली किसी भी समस्या या कीमतों में बढ़ोतरी से निपटने के लिए सरकार ने एक रणनीतिक सुरक्षा कवच तैयार किया है। सरकार के पास 43...

मानसून की सुस्त चाल से कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जल उपलब्धता पर व्यापक असर पड़ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक का भी मानना है कि दक्षिण–पश्चिम मानसून के कमजोर पड़ने से घरेलू आर्थिकी और मुद्रास्फीति के परिदृश्य पर दबाव पड़ेगा। अलनीनो के शुरुआती संकेत मानसून पर दिखाई देने लगे हैं। देखा जाये तो मानसून की रफ्तार धीमी होने की वजह से देश में कुछ समय पहले तक सूखे जैसे हालात का अंदेशा बढ़ने लगा था। अक्सर जून के तीसरे हफ्ते तक देश के बड़े हिस्से को मानसून सामान्यतः कवर कर लेता है। लेकिन पिछले पखवाड़े से इसकी गति ठहरी होने का सीधा–सीधा असर बारिश पर पड़ा है जिसका नतीजा देश के आधे से ज्यादा हिस्से पर सूखे जैसे हालात दिखाई दिए थे। संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन यानी एएफओ ने पहले ही चेतावनी दे दी है कि अलनीनो का भारत सहित एशिया के कई देशों की कृषि और खाद्य सुरक्षा पर व्यापक असर पड़ सकता है। खासकर भारत में धान और मक्का जैसी वर्षा आधारित फसलों के उत्पादन पर खासा असर पड़ सकता है। आशंका है कि अलनीनो के प्रभाव के चलते भारत के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। ऐसे हालात में खेती के लिए जरूरी नमी में कमी आयेगी । यही नहीं इसका असर वैश्विक खाद्य बाजारों और कीमतों पर पड़ेगा।एएफओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम, फिलीपींस, इंडोनेशिया और तिमोर–लेस्ते जैसे

देशों पर इसकी अत्यधिक मार पड़ेगी। इन देशों पर सूखे की मार का खतरा बढ़ सकता है। इससे इन देशों की कृषि पर आधारित लाखों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ जायेगी। स्काईमेट की मानें तो फिलहाल देश के लगभग आधे हिस्से में बारिश की भारी कमी है। दरअसल, अलनीनो प्रभाव से प्रशांत महासागर का पानी गर्म होने लगता है। भारत में इसका असर कमजोर मानसून और कम बारिश से जोड़ा जाता है। इतिहास इस बात का सबूत है कि ऐसी स्थिति में भारत में मौसमी बारिश न केवल कम हुई है बल्कि उसकी असमानता भी खतरनाक स्थिति तक बढ़ी है। आमतौर पर मानसून में ब्रेक की यह स्थिति अक्सर जुलाई या अगस्त में दिखाई देती है लेकिन इस बार मानसून की यह सुस्त रफ्तार चिंता का विषय है। इसकी अहम वजह बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में किसी मजबूत मौसम प्रणाली का विकसित न हो पाना है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी में बनने वाले निम्न दबाव वाले क्षेत्र और चक्रवात मानसून को मजबूती देते हैं और उसे दूसरे हिस्सों में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। फिर अरब सागर में लो लेवल जेट भी पर्याप्त रूप से विकसित न हो पाना भी इसकी अहम वजह है। चिंताजनक है कि अलनीनो का सबसे बड़ा असर बारिश की वितरण व्यवस्था पर पड़ता है। असलियत यह है कि कई बार कुल बारिश बहुत कम नहीं होती लेकिन उसका समय और क्षेत्रीय वितरण असंतुलित हो जाने से विभिन्न राज्यों में बुआई, अंकुरण और फसल की शुरुआती बढ़ोतरी पर काफी असर पड़ता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता उन इलाकों को लेकर है कि जहां अब भी खेती बारिश पर ही निर्भर है। फिर देश के लगभग आधे से अधिक कृषि क्षेत्र में सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था ही नहीं है। वहां किसानों की सारी उम्मीद बारिश पर ही टिकी होती है। सच्चाई यह है कि तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में सामान्य से काफी कम बारिश हुई है। इतना ही नहीं, जल भंडारण पर भी असर साफ दिखाई दे रहा है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक देश के कुल 166 प्रमुख जलाशयों में कुल क्षमता का केवल 27.5 फीसदी पानी ही उपलब्ध है। यदि मानसून की सुस्ती लम्बे समय तक बनी रहती है तो पेयजल और सिंचाई दोनों मोर्चों पर दबाव काफी बढ़ जायेगा। निस्संदेह, मानसून की सुस्त चाल से कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जल उपलब्धता पर व्यापक असर पड़ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक का भी मानना है कि दक्षिण–पश्चिम मानसून के कमजोर पड़ने से घरेलू आर्थिकी और मुद्रास्फीति के परिदृश्य पर दबाव पड़ेगा। यही नहीं अलनीनो का खतरा छोटी राशि का कर्ज देने वाले संस्थानों के लिए ऋण वसूली को भी प्रभावित कर सकता है। क्रिसिल की रिपोर्ट का कहना है कि परिवारों के खर्च करने योग्य नगदी में कमी बड़ा जोखिम पैदा कर सकता है। मौसम विज्ञानी अलनीनो की स्थिति हाल–फिलहाल भले ज्यादा गंभीर न मानें लेकिन आसन्न खतरे को नजरअंदाज तो नहीं कर सकते। अलनीनो के संभावित खतरे को देखते हुए सरकार अलर्ट मोड पर है। दरअसल अलनीनो का खतरा केवल मौसम का मुद्दा नहीं है, बल्कि कृषि,उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा है। यही वजह है सरकार हर तरह की तैयारी रखने पर जोर दे रही है। सरकार की रणनीति कम बारिश होने की स्थिति से मुकाबला हेतु वैकल्पिक व्यवस्था तैयार रखने की है।

सवाल नैतिकता और जवाबदेही का भी है

यहां वह याद दिलाना गलत नहीं होगा कि इस देश में एक रेलमंत्री ने इसलिए इस्तीफा दे दिया था कि उसके कार्य–काल में दिल्ली से सैकड़ों मील दूर कहीं एक रेल–दुर्घटना हो गयी थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रेल–मंत्री लालबहादुर शास्त्री ने अपना पद छोड़ दिया था। यह वर्ष 1956 की बात है। तमिलनाडु के अरियालुर में भीषण ट्रेन दुर्घटना हुई थी जिसमें 140 से ज्यादा लोगों की जान चली गयी थी...

दिल्ली में जंतर–मंतर पर, और देश में कई अन्य शहरों में भी, परीक्षाओं में हुई धांधली के आरोप में विरोध–प्रदर्शन हो रहे हैं। हो सकता है भाजपा–विरोधी दल स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हों। पर इससे स्थिति की गंभीरता और भयावहता कम नहीं हो जाती। यह सही है कि 'कॉकरोच पार्टी' द्वारा चलाये जा रहे देश के शिक्षामंत्री–विरोधी अभियान में दिल्ली के जंतर–मंतर में उतने युवा इकट्ठा नहीं हो रहे, जितनों की आयोजकों को आशा थी, पर सही यह भी है कि देश के युवाओं के संदर्भ में इस अभियान को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। युवा देश के शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। उनका कहना है कि 'नीट' और 'सीबीएससी' जैसी परीक्षाओं में हो रही धांधली शिक्षामंत्री की असफलता का प्रतीक है। 'नीट' की परीक्षा के संदर्भ में देश के पंद्रह से अधिक युवाओं द्वारा की गई आत्महत्याएं निश्चित रूप से एक गंभीर मसला है और इस बारे में सरकार की लगभग चुप्पी पर सवाल उठने ही चाहिए। सवाल उठ भी रहे हैं, पर जिन्हें जवाब देने हैं वे बचाव के रास्ते खोज रहे हैं। ऐसा ही एक रास्ता शिक्षामंत्री ने खोजा है। जून 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने विपक्ष द्वारा चलाये जा रहे आंदोलन से बचाव के लिए देश में आपातकाल लागू करने का रास्ता खोजा था। बावजूद इसके कि कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने यह दावा किया था कि उसका यह कदम देश के संविधान द्वारा दिये गये अधिकार के अनुकूल था, आपातकाल लागू करने की यह कार्रवाई देश के नागरिकों के अधिकारों का हनन करने वाली थी। देश के शानदार जनतांत्रिक इतिहास का एक काला अध्याय था यह। तत्कालीन सरकार द्वारा अपने उठाये गये इस कदम के बचाव में बहुत कुछ कहा गया था, पर इसका औचित्य सिद्ध करने का कोई प्रयास सफल नहीं हुआ। हो भी नहीं सकता था।

स्वयं प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी अपनी गलती का अहसास हो गया था। आपातकाल लागू करने के इक्कीस महीने बाद, मार्च 1977 में उन्होंने अपना उठाया गया कदम वापस ले लिया। उन्होंने अपनी गलती स्वीकारी भी थी। कांग्रेस के अब के नेता, राहुल गांधी ने भी उस घटना के लगभग पचास साल बाद, 2021 में, आपातकाल लागू करने को 'गलती' मानकर खेद व्यक्त किया था। लेकिन इस स्वीकारोक्ति के बाद भी यह कलंक तो कांग्रेस के माथे पर लगा ही रहा कि उसने आपातकाल लागू करके एक जनतंत्र–विरोधी कार्रवाई की थी। कांग्रेस के विरोधी दल, विशेषकर भारतीय जनता पार्टी, अक्सर कांग्रेस के इस 'काले कारनामे' का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास करते रहे हैं। अपने बचाव में कांग्रेस इस 'गलती' को भुला देने की बात कहती रही है। पर कांग्रेस–विरोधी इसे एक हथियार की तरह काम में लेते रहे हैं। हाल ही में शिक्षा मंत्री ने आपातकाल की बरसी के अवसर पर, इस हथियार को अपने बचाव का साधन बनाने की कोशिश की है। अपने खिलाफ चल रहे 'शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो' आंदोलन की आलोचना करते हुए उन्होंने कांग्रेस को 'जनतंत्र–विरोधी' बताकर अपना बचाव किया है। इसी संदर्भ में 'एनसीईआरटी' की किताबों में आपातकाल के बारे में जोड़े गये अध्याय का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को, और भावी पीढ़ियों को, आपातकाल की जानकारी देना जरूरी है। अब पहली बार कक्षा नौ की सामाजिक विज्ञान की किताब में इसे 'भारतीय लोकतंत्र के लिए प्रमुख चुनौतियों' के रूप में शामिल किया गया है।

हालांकि 12वीं की किताब में पहले ही यह विषय जोड़ा जा चुका था, और जब यह जोड़ा गया तब सत्ता में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार थी। ऐसे में इस विषय को उठाकर शिक्षामंत्री आखिर क्या पाना चाहते हैं? शायद 'नीट' की परीक्षा में हुई धांधली को लेकर हो रही अपनी आलोचना से ध्यान बंटाने की एक कोशिश हो यह। शायद उन्हें लग रहा हो कि इस तरह ध्यान बंटा कर वे अपना कुछ बचाव करने में सफल हो सकते हैं! 'एनसीईआरटी' की नौवीं कक्षा की किताबों में भी आपातकाल का अध्याय जोड़ने का बचाव करते हुए शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि यह निर्णय इसलिए लिया गया है ताकि आगे आने वाली पीढ़ियां यह जान और समझ सकें कि ऐसा कोई काला अध्याय कभी लिखा गया था। भविष्य में ऐसा कुछ न हो इसके लिए आज के विद्यार्थियों को यह पढ़ाया जाना जरूरी है। निश्चित रूप से भावी पीढ़ियों को ऐसी बातों का पता होना चाहिए। 'एनसीईआरटी' की किताब में ऐसे अध्याय का होना कतई गलत नहीं है। गलत यह है कि ध्यान बंटाने के साधन के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। 'नीट' और 'सीबीएससी' की परीक्षाओं में हो रही धांधली की जांच की दुहाई दी जा रही है। दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा, इसका आश्वासन दिया जा रहा है। लेकिन सवाल किसी के जिम्मेदारी लेने का भी है। सवाल नैतिकता का भी है। नैतिकता का तकाजा है कि पर्चों की गड़बड़ी के चलते हुई आत्महत्याओं की जिम्मेदारी कोई तो ले। सनद्‌ 2021 से लेकर 2026 के बीच इस संदर्भ में 93 छात्रों की आत्महत्याओं के मामले सामने आये हैं। इसी वर्ष, यानी 2026 में, कम से कम चौदह छात्रों ने अपनी जान गंवाई है। आखिर कोई तो जिम्मेदार होगा इन घटनाओं के लिए। दिल्ली में जंतर–मंतर पर, और देश में कई अन्य शहरों में भी, परीक्षाओं में हुई धांधली के आरोप में विरोध–प्रदर्शन हो रहे हैं। हो सकता है भाजपा–विरोधी दल स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हों। पर इससे स्थिति की गंभीरता और भयावहता कम नहीं हो जाती।

कार्यालय : क्षेत्र पंचायत- मिठवल जनपद- सिद्धार्थनगर

पत्रांक– 575/2–लेखा/अल्पनिविदा/2026–27 दिनांक– 29/06/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

राज्य वित्त/केन्द्र वित्त आयोग योजनान्तर्गत वर्ष 2026–27 में कार्य कराये जाने कार्यो हेतु क्षेत्र पंचायत के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित परियोजनाओं पर निविदा आंमत्रित किया जाता है। तथा निविदा दिनांक 29.06.2026 से 14.07.2026 को अपरान्ह 2.00 बजे तक निविदा बन्द लिफाफें में क्षेत्र पंचायत के निविदा बाक्स में डाली जायेगी। निविदा प्रपत्र को दिनांक 14.07..2026 को अपरान्ह 3.00 बजे समिति के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में खोला जायेगा। निविदा फार्म व नियम व शर्ते की जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते है। निविदा के साथ 02 (दो) प्रतिशत अर्नेष्टमनी जो कॉलम नं0(6) में अंकित NEFT/RTGS के माध्यम से क्षेत्र निधि खाता सं0 2089438390 बैंक का नाम– सेन्ट्रल बैंक ब्रांच का नाम– प्रतापपुर IFSC Code-CBIN0281592 में नगद व खण्ड विकास अधिकारी के पक्ष में एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 के रूप में बंधक तथा निविदा प्रपत्र शुल्क कालम संख्या 7 में अंकित धनराशि क्षेत्र निधि खाते में जमा किया जायेगा। निविदा शुक्ल की रसीद उपलब्ध कराने के उपरान्त निविदा फार्म कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा हेतु विवरण निम्नवत् है–

क्र. सं.	कार्य का नाम	आगणन की धनराशि (लाख में)	निविदा की धनराशि (जी0एस0टी0 छोड़कर) (लाख में)	2 प्रतिशत जमानत धनराशि	8 प्रतिशत जमानत की धन0 (रू0में) प्रथम भुगतान पर कटौती	टेण्डर फार्म मूल्य जी0एस0टी0 सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2 3		4	5	6	7	8
	राज्य/केन्द्र वित्त आयोग योजना से संबंधित कार्य का विवरण–						
1	दुबौली पक्की सडक से परमात्मा चौधरी के घर तक सी0सी0/ इण्टरलाकिंग कार्य।	572000	484679	11440	45760	590	90 दिन
2	तेलौरा चुटेश्वरनाथ मन्दिर पर इण्टरलाकिंग/सी0सी0 कार्य।	999000	846718	19980	79920	590	90 दिन
3	तिलौली पिच रोड से आकाश पाठक के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	984000	757782	19680	78720	590	90 दिन
4	तिलौली पोखरे से पिच रोड तक इण्टरलाकिंग/सी0सी0 कार्य।	741000	628282	14820	59280	590	90 दिन
5	विकास खण्ड मिठवल में विभिन्न स्थानों पर सोलर लाईट स्थापना कार्य।	978000	828980	19560	78240	590	90 दिन
6	विकास खण्ड मिठवलविभिन्न स्थानों पर हाईमास्ट सोलर लाईट स्थापना कार्य।	800000	678231	16000	64000	590	90 दिन
7	रमवापुर दूबे में पिच रोड से मन्दिर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	607000	514079	12140	48560	590	90 दिन
8	रमवापुर भईया में दयाशंकर चौधरी के घर से पिच रोड तक इण्टरलाकिंग कार्य।	854000	724018	17080	68320	590	90 दिन
9	परसा खुर्द में घुमची पिच रोड से दिवाकर के घर तक इण्टरलकिंग कार्य।	598000	507188	11960	47840	590	90 दिन
10	पैडी खुर्द पिच रोड से मनोज के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	595000	503972	11900	47600	590	90 दिन
11	पैड़ी खुर्दगंगाराम के घर से उत्तर पोखरे तक इण्टरलाकिंग कार्य	572000	484679	11440	45760	590	90 दिन
12	महौखवा पूर्वी डीह से सी0सी0 रोड तक इण्टरलाकिंग कार्य।	328000	278227	6560	26240	590	90 दिन
13	महौखवा सन्तराम के घर से सी0सी0 रोड तक इण्टरलाकिंग कार्य।	328000	278227	6560	26240	590	90 दिन
14	भैसहिया गॉव से मन्दिर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	598000	507188	11960	47840	590	90 दिन
15	धवरिया सी0सी0 रोड से दशरथ के चक तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य ।	991000	839510	19820	79280	590	90 दिन
16	धनघटा पिचरोड से चौघरी के घर तक मैन रोड तक इण्टरलाकिंग कार्य।	854000	724018	17080	68320	590	90 दिन
17	कोल्हुई बुजुर्ग में मैन रोड से राममिलन के खेत तक इण्टरलाकिंग कार्य।	765000	648385	15300	61200	590	90 दिन
18	करही मसजिदिया कबरा से प्रा0वि0 तक इण्टरलाकिंग कार्य।	743000	629452	14860	59440	590	90 दिन
19	बरगदवा में पिच रोड से हरिनाथ के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य ।	854000	724018	17080	68320	590	90 दिन
20	धवर सिकटी गढडे से रामसुख के खेत तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	964000	817247	19280	77120	590	90 दिन
21	सिकटा गॉव में पिच रोड से गॉव के उत्तर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	573000	485759	11460	45840	590	90 दिन
22	सोहन के घर से पक्की सडक तक इण्टरलाकिंग कार्य ।	260000	220752	5200	20800	590	90 दिन
23	मध्यनगर शंकर जी के मंदिर से जयप्रकाश चौधरी के धर तक इण्टरलाकिग कार्य।	251000	212452	5020	20080	590	90 दिन
24	बेलगड़ी पिच रोड से कब्रिस्तान तक इण्टरलांकिग कार्य।	402000	341075	8040	32160	590	90 दिन
25	धवर गॉव पिच रोड पर गेट निर्माण कार्य।	120000	98400	2400	9600	590	90 दिन
26	पिपरा भईया में अख्तर हुसैन के घर से पिच रोड तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	991000	839510	19820	79280	590	90 दिन
27	मलौली गॉव में पोखरे पर रिर्टर्निग वाल /सपोटिग बाल निर्माण कार्य।	270000	221400	5400	21600	590	90 दिन
28	विकास खण्ड कार्यालय के मनरेगा कक्ष,लेखाकार एवं स्थापना कक्ष में फाल सीलिग का कार्य ।	998000	818360	19960	79840	590	90 दिन
29	विकास खण्ड कार्यालय के स्टोर कक्ष का मरम्मत आदि कार्य ।	250000	205000	5000	20000	590	90 दिन
30	भतिजवापुर बी0पैक्स मरम्मत कार्य ।	320000	262400	6400	25600	590	90 दिन
31	विकास खण्ड कालोनी के बाबू टाइप आवास का मरम्मत आदि का कार्य।	450000	369000	9000	36000	590	90 दिन
32	विकास खण्ड परिसार में हाई माक्स लाईट स्थापना कार्य ।	489000	400980	9780	39120	590	90 दिन
33	खण्ड विकास अधिकारी आवास में साज–सज्जा का कार्य।	120000	98400	2400	9600	590	90 दिन

नियम एवं शर्तें

1. प्रत्येक कार्य का पूर्ण करने की अनुमन्य अवधि कालम (8) में दर्शायी गयी है।
2. निविदा के साथ **02 (दो)** प्रतिषत धरोहर धनराषि जो कॉलम नं0(5) में तथा निविदा प्रपत्र षुल्क जो उक्त तालिका के कालन नं0 (7) में अंकित धनराषि क्षेत्र निधि खाता सं0 2089438390 बैंक का नाम–सेन्ट्रल बैकब्रांच का नाम–बॉसी IFSC Code-CBIN0281592 में NEFT/RTGS के माध्यम से जमा करना होगा तथा टेण्डर स्वीकर होने के एक सप्ताह के अन्दर 08 प्रतिशत जमानत धनराषि किसी राष्ट्रीकृत बैंक से एफ0डी0 एवं एन0एस0सी0/डाकघर बचत पत्र के रूप में खण्ड विकास अधिकारी–मिठवल के नाम से बंधक उपलब्ध कराना अथवा कार्य के प्रथम भुगतान पर 08 प्रतिशत जमानत धनराषि की कटौती दोनो ही अनुमन्य होगा अन्यथा टेण्डर स्वतःनिरस्त हो जायेगा।
3. प्रत्येक दशा में कार्य निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण किया जाना अनिवार्य होगा ।
4. कार्य किसी अन्य को कदापि हस्तान्तरित नहीं किया जायेगा, निविदा स्वीकषति के बाद यदि हस्तान्तरित की स्थिति प्रकाश में आता है, तो अनुबन्ध निरस्त कर दिया जायेगा।
5. निविदा खोलने की कार्यवाही अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में गठित समिति के सदस्यों के द्वारा निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी।
6. निर्माण नियमावली–1984 के अनुसार निर्माण का परिवर्तन/परिवर्धन/निरस्तीकरण का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी/अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत–मिठवल द्वारा 7. बिना कोई कारण बताये एवं बिना नोटिस दिये किसी भी निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार निहित होगा ।
7. अपूर्ण अथवा सही ढंग से निविदा प्रपत्र न भरी हुई निविदाये स्वीकार नही किया जायेगा।
8. खण्ड विकास अधिकारी/अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत–मिठवल को विशेष परिस्थितियो में आवश्यकतानुसार दण्ड आरोपित करने अथवा बिना कोई दण्ड आरोपित किये समय वृद्धि करने का अधिकार होगा।
9. ठेकेदार को अवर अभियन्ता(ग्रा0अभि0वि0) के निर्देशानुसार कार्य करना होगा। निर्माण कार्य का निरीक्षण खण्ड विकास अधिकारी /अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत–मिठवल के आदेशानुसार पाई गयी कमियों की कटौती करते हुए भुगतान किया जायेगा।
10. यह कि 02 प्रतिशत धरोहर राशि निविदा के साथ जमा की जायेगी। यदि ठेकेदार द्वारा पूर्ण जमानत धनराशि नही जमा किया जाता है तो निविदा अस्वीकष्त कर दिया जायेगा।
11. जमानत धनराशि तब तक वापस नहीं की जायेगी जब कि निर्माण कार्य पूरा होने के दिनांक से छः माह की अवधि समाप्त न हो जाय या ठेका पूरा होने के बाद अगली वर्षा ऋतु व्यतीत न हो जाय ,इनमें से जो पश्चातवर्ती हो।
12. किसी विवाद की दशा में खण्ड विकास अधिकारी/अध्यक्ष, क्षेत्र पंचायत–मिठवल का निर्णय अन्तिम होगा जो उभय पक्ष को मान्य होगा।
13. ठेकेदार के बिल से शासन के निर्देशानुसार देय करों (आयकर एवं जी0एस0टी0 एवं लेबर सेस) का नियमानुसार कटौती किया जायेगा, जो ठेकेदार को मान्य होगा।
14. उपरोक्त निर्माण कार्यो का भुगतान क्षेत्र पंचायत–मिठवल के अर्न्तगत उपलब्ध धनराशि से किया जायेगा।
15. अन्य विभाग के पंजीकृत ठेकेदारो का टेण्डर न्यूनतम दर पर स्वीकृत होने की दषा में सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा नियमानुसार रजिस्ट्रेशन फीस एवं जमानत की धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा।
16. स्टीमेट में कन्टैक्टर प्राफिट के अतिरिक्त बिलो टेण्डर डालने पर ठेकेदार समिति के समक्ष उपस्थित होकर स्पष्ट करना होगा कि किस प्रकार विशिष्टियों के अनुसार किस प्रकार कराये जायेगें समिति के संतुष्ट होने पर निविदा स्वीकृत किया जायेगा ।
17. निविदा के साथ जिलाधिकारी द्वारा जारी हैसियत एवं चरित्र प्रमाण पत्र ,03 वर्ष का आयकर पत्र ,पैनकार्ड, जी0एस0टी0पंजीयन प्रमाण, 03 वर्ष का जी0एस0टी0 पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र तथा जमानत की 2 प्रतिशत एवं निविदा शुल्क का जमा पर्ची की स्व प्रमाणित छायाप्रति आदि वाछिंत अभिलेख दिनांक 14.07.2026 तक अपरान्ह 2.00 बजे तक वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में क्षेत्र पंचायत–मिठवल के निविदा बाक्स में डाली जायेगी।
18. ठेकेदार द्वारा अनुबन्ध कराने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा। अनुबन्ध के पूर्व किया गया कार्य स्वतःश्रमदान घोषित हो जायेगा।
19. निविदा के साथ निविदादाता को नियमानुसार 100.00 रूपये के स्टाम्प पेपर पर हस्ताक्षर एंव रसीदी टिकट लगाकर देना होगा।
20. धनराशि के सापेक्ष कार्य कराये जाने हेतु आदेश निर्गत किया जायेगा।

चन्द्र भूषण तिवारी
खण्ड विकास अधिकारी
मिठवल, सिद्धार्थनगर

निशा चौधरी
प्रमुख क्षेत्र पंचायत
मिठवल, सिद्धार्थनगर

तेहरान में भारत ने दिखाया दम, फूट–फूट कर रोए ईरानी राष्ट्रपति

बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड सैयद अता हसनैन और भारत के विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गरी ईरान पहुंचे। ईरान में यह ईरान के सर्वोच्च धर्मुगुरु अयातुल्ला अली खमनाई को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इनका तेहरान के हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया और इनकी मुलाकात वहां के तमाम अधिकारियों से हुई। वहीं दूसरी तरफ ईरान के बड़े–बड़े नेता अधिकारी अपने दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खमनाई को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इसमें ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजिशकियान, न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसैनी, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर, कलीबा और विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागाची हैं। इसके अलावा कई और अहम नेता हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजिशकियान और उनके साथ तमाम दूसरे जो बड़े नेता हैं वो फूट–फूट कर रोते हुए अपने सर्वोच्च नेता के ताबूत के सामने दिखाई दे रहे हैं। ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनई के जनाजे की तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं। कई दिनों के अंतिम संस्कार से पहले तेहरान में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में दुनिया भर का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा है। जिसमें भारत का भी एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचा। भावुक माहौल जिस तरह का देखने को मिल रहा है उसी में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजिशकियान सांसद अध्यक्ष मोहम्मद बगैर गलीबाब भावुक होकर रोते हुए दिखाई पड़े। लज कुतू फी सवा व वहीं दूसरी तरफ जनाजे में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। इनमें दर्जनों देश के नेता भी शामिल हैं। तेहरान के ग्रैंड मुसल्ला परिसर में खामन का राष्ट्रीय ध्वज से ढका ताबूत रखा गया है। उनके साथ उनके परिजनों के ताबूत भी हैं। जिनकी मौत युद्ध के पहले दिन हवाई हमले में हुई। इसमें उनके दामाद, बड़ी बेटी, 14 महीने की पोती और नए सर्वोच्च नेता आया मुस्ताब खमनाई की पत्नी भी हैं। अरबऔर मध्य पूर्वीः वहीं दूसरी तरफ ईरान की राजधानी में भारी भीड़ को सुरक्षित रखने की तैयारी भी की गई है। शहर भर में निकलने वाले अंतिम संस्कार जुलूस में बताया जा रहा है लगभग डेढ़ से 2 करोड़ लोग शामिल होंगे। भारी भीड़ को संभालने के लिए तेहरान में सभी सार्वजनिक परिवहन मुक्त होंगे। शहर के मुख्य इलाकों को वाहन के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। वहां केवल पैदल चलने वालों को ही जाने की अनुमति होगी। अंतिम संस्कार के दौरान पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी सीधे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉब्स को सौंप दी गई है। तेहरान के कार्यक्रम के बाद 7 जुलाई को कोम शहर में खामेनेई और उनके परिवार के लिए अंतिम संस्कार जुलूस निकाला जाएगा। अंतिम दफन समारोह 9 जुलाई को मशहद में होगा जो उत्तरपूर्वी ईरान का एक पवित्र और दिवंगत सर्वोच्च नेता का जन्म स्थान रहा है।

मानव जीवन को सुखी, समृद्धि व संतुलित बनाये रखने के लिए वृक्षारोपण है जरूरी: आयुक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में ''वन महोत्सव'' कार्यक्रम के अन्तर्गत मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने मंडलायुक्त कार्यालय में स्कूली बच्चों के साथ पीपल पाकड़,बरगद वह अन्य का वृक्ष लगाकर जनपद वासियो को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने हेतु प्रेरित किया।वृक्षारोपण के दौरान मण्डलायुक्त ने कहा कि मानव जीवन को सुखी, समृद्धि व संतुलित बनाये रखने के लिए जरूरी वृक्षारोपण है।''वृक्ष लगाओं जीवन को सुरक्षित बनाओं'' ।वन पृथ्वी पर जीवन के लिए अनिवार्य तत्व हैं, यह प्र.ति के संतुलन को बनाए रखने में पूर्णतया सहायक होते हैं।उन्होने कहा कि पेड़ ऑक्सीजन का स्रोत हैं, वे कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं।कार्बन डाइऑक्साइड लेने के अलावा पेड़ सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड सहित कई हानिकारक गैसों को भी अवशोषित करते हैं और वातावरण से हानिकारक प्रदूषक को भी फिल्टर करते हैं, जिससे हमें ताजा और साफ–सुथरी हवा सांस लेने के लिए मिलती है।स्वस्थ्य जीवन के लिए आज के समय अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की महती आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि प्र.ति का संतुलन बनाये रखने हेतु वृक्षों की अहम भूमिका है। इसलिए प्र.ति के संतुलन बनाये रखने में अधिक से अधिक वृक्षों को लगाकर सभी जनपद वासी अपनी सहभागिता निभायें। वृक्ष हमें जीवनदान देने वाली ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जिसके बिना हमारा अस्तित्व बस असंभव है।इसके अलावा, पेड़ लगाने के कई अन्य लाभ हैं।वृक्ष हानिकारक गैसों को अवशोषित कर पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाते है।पक्षियों और जानवरों के लिए भोजन और आश्रय प्रदान करते हैं और गर्मी के दिनों में छाया प्रदान करते हैं।वृक्ष लगाने के बाद लोग जैसे अपने बाल–बच्चों को पालन–पोषण कर बड़ा किया जाता है, ठीक उसी तरह से लगाये गये वृक्षों की भी देखभाल किया जाए, ताकि यह वृक्ष सुरक्षित रह सके।आयुक्त ने ये भी कहा कि पेड़ पृथ्वी पर जीवन के लिए अनिवार्य हैं।वृक्ष पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त रखने में सहायक होते है।इसलिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर इस अभियान में अपनी सहभागिता निभावें।इसके अतिरिक्त मंडलायुक्त ने स्कूली बच्चों को पेन किताब व अन्य सामग्री देकर सम्मानित किया।वन महोत्सव कार्यक्रम के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी अनुराग प्रियदर्शी,अपर आयुक्त प्रशासन मीनू राणा, अपर आयुक्त न्यायिक राजेश कुमार यादव एवं संयुक्त विकास आयुक्त राजेश कुमार पाण्डेय एवं अन्य अधिकारीगण/कर्मचारियगण उपस्थित रहे।

श्रावस्ती में लापता 12 वर्षीय बालक का शव पेड़ से लटका मिला, जांच में जुटी पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद के थाना सोनवा क्षेत्र में लापता 12 वर्षीय बालक का शव गांव के बाहर एक पेड़ से फंदे पर लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।पुलिस के अनुसार, 2 जुलाई 2026 को ठेगरहना गांव निवासी शांति देवी, पत्नी स्वर्गीय जगराम मिश्रा, ने थाना सोनवा में सूचना दी थी कि उनका 12 वर्षीय पुत्र लवकुश मिश्रा घर से लापता है। इस संबंध में थाना सोनवा पर मु0अ0सं0 106/2026 के तहत धारा 137(2) बीएनएस में मामला दर्ज कर पुलिस लगातार बालक की तलाश कर रही थी।इसी बीच शनिवार, 4 जुलाई 2026 की सुबह लगभग 7रू45 बजे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी कि लवकुश का शव गांव के बाहर एक पेड़ पर सफंदे से लटका हुआ मिला है।सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती, अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह, क्षेत्राधिकारी इकौना, थाना सोनवा पुलिस तथा फील्ड यूनिट की टीम मौके पर पहुंची और हघटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।हैपुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है और मृत्यु के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच जारी है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर बी–पैक्स ललईबाग में जागरूकता चौपाल, डिजिटल सेवाओं का मिला संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर शनिवार को मॉडल समिति बी–पैक्स ललईबाग में जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को सहकारिता विभाग की योजनाओं, डिजिटल सेवाओं और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए सहकारिता आंदोलन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया गया।चौपाल के दौरान तीन महिलाओं को बी–पैक्स समिति की सदस्यता दिलाई गई। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से सहकारी समितियां अधिक सशक्त होंगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। किसानों को अधिक से अधिक संख्या में सहकारिता से जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया गया।कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना रही। किसानों ने समिति पर क्यूआर कोड के माध्यम से उर्वरकों का भुगतान कर नकदी रहित लेन–देन का उदाहरण प्रस्तुत किया। अतिथियों ने इसे पारदर्शी और आधुनिक सहकारी व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए किसानों से डिजिटल भुगतान अपनाने की अपील की।मुख्य अतिथि प्रमोद कुमार तथा केंद्रीय उपभोक्ता भंडार के सदस्य प्रद्युम्न मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने श्सहकार से समृद्धि के पांच स्वर्णिम वर्षश अभियान के तहत संचालित योजनाओं, डिजिटल सेवाओं, सदस्यता अभियान और किसान हितैषी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उनका अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, महिला सदस्य, समिति के पदाधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे। सहकारिता विभाग के अधिकारियों एवं समिति के कर्मचारियों ने किसानों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान की जानकारी भी दी।

36 घंटे में सुलझी सुधा हत्याकांड की गुत्थी, पुलिस मुठभेड़ में आरोपी घायल, गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में सुधा की केश में पुलिस का बड़ा खुलासा।वही इज्जत की रक्षा करना एक 17 साल की मासूम को महंगा पड़ गया।नगर कोतवाली क्षेत्र के माधवपुर चकत्ता गांव में गुरुवार सुबह हुई सुधा गौतम की हत्या का पुलिस ने 36 घंटे के अंदर सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। एसपी विनीत जायसवाल के निर्देश पर गठित चार टीमें और एसओजी ने शुक्रवार देर रात दुल्लापुर खालसा के पास मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी संजय गौतम को गिरतार कर लिया।पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 8 बजे सुधा घर के पास मछली तालाब के बाग में गई थी।गांव के ही रहने वाले संजय गौतम ने उसे अकेला पाकर छेड़छाड़ का प्रयास किया।विरोध करने पर आरोपी ने गुस्से में सुधा का गला दबाकर हत्या कर दी और फरार हो गया। घटना की गंभीरता देखते हुए एसपी विनीत जायसवाल ने चार टीमों को खुलासे में लगाया था।शुक्रवार रात 9:30 बजे दुल्लापुर खालसा के पास सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस और एसओजी ने घेराबंदी की। बिना नंबर प्लेट की एचएफ डीलक्स बाइक से भाग रहे संजय ने खुद को घिरा देख पुलिस पर अवैध तमंचे से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी और उसे दबोच लिया गया।घायल संजय को गोन्डा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा,कारतूस और बिना नंबर प्लेट की बाईक बरामद की गई है।एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि कोतवाली नगर और एसओजी/सर्विलांस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना का पर्दाफाश किया। मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त घायल हुआ, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।उन्होनें कहा कि बालिका के साथ हैवानियत करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने मामले में आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त से पूछताछ कर हत्या के पीछे के कारणों और अन्य संलिप्त लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

शादी में गया था पूरा परिवार, पीछे से चोरों ने सूने घर को बनाया निशाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र के सिसई हैदर गांव में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, परिवार के सभी सदस्य शादी समारोह में शामिल होने बाहर गए थे। इसी दौरान चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखी नगदी तथा सोने–चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए।घटना की जानकारी पड़ोसियों ने परिजनों को दी, जिसके बाद वे तत्काल घर पहुंचे। घर का सामान बिखरा देख परिजनों के होश उड़ गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सहित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। चोरी गए सामान का सही मूल्यांकन परिजनों से प्राप्त जानकारी के आधार पर किया जा रहा है।

एसकेएस आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की क्विज प्रतियोगिता में ग्रुप 'सी' प्रथम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। डॉ. सर्वेश कुमार शुक्ला (एसकेएस) आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, सबलापुर में शनिवार को शैक्षणिक गतिविधियों के तहत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बीएएमएस प्रथम वर्ष (सत्र 2024–25 एवं 2025–26) के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए आयुर्वेद एवं सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों को चार समूह.ए, बी, सी एवं डी.में विभाजित किया गया था। विभिन्न चरणों में हुए मुकाबलों के बाद ग्रुप 'सी' के .ष्णकांत, अहसन, रमन एवं सक्षम ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया।कार्यक्रम का आयोजन डॉ. निशा शर्मा एवं पवन वर्मा के निर्देशन में किया गया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. निधि पोरवाल ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के ज्ञान, तार्किक क्षमता एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।कार्यक्रम का संचालन जेपी शुक्ला ने किया। इस अवसर पर डॉ. इरफान कुरैशी, डॉ. शालू, संजय गौतम सहित कॉलेज के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

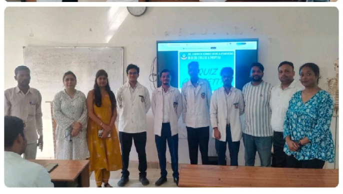

गन्ना समितियों में 06 जुलाई से चलेगा विशेष सामाजिक सुरक्षा जागरूकता एवं नामांकन अभियान

कुशीनगर,। प्रदेश सरकार के निर्देश एवं शासन के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा जनपद के गन्ना कृषकों एवं उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक संरक्षण एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद की सभी 14 सहकारी गन्ना विकास समितियों में विशेष सामाजिक सुरक्षा जागरूकता एवं नामांकन अभियान आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी जिला गन्ना अधिकारी हुदा सिद्दीकी ने दी। उन्होंने बताया कि जनपद की गन्ना समितियों में गन्ना समिति कसया, दुदही, बोदरवार एवं कप्तानगंज में 06 जुलाई से 09 जुलाई तक तथा पडरौना, रामकोला (के.), रामकोला (पी.), लक्ष्मीगंज, खड्डा, छितौनी, सेवरही, तरयासुजान, हाटा एवं कठकुईया में 06 जुलाई से 11 जुलाई तक इफको, संबंधित चीनी मिलों एवं बैंकों के सहयोग से विशेष कृषक गोष्ठियों, जागरूकता कार्यक्रमों एवं ऑन–द–स्पॉट नामांकन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य गन्ना कृषकों एवं उनके परिवारों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़कर उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा का कवच प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान पात्र लाभार्थियों का मौके पर ही नामांकन भी कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि गोष्ठी स्थलों पर बैंक, इफको, चीनी मिलों एवं गन्ना समितियों द्वारा संयुक्त रूप से सहायता एवं नामांकन काउंटर स्थापित किए जाएंगे। जहां किसानों को योजनाओं की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, प्रीमियम, लाभ एवं नामांकन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही नए कृषक सदस्यों का पंजीकरण, बैंक खाते खुलवाने, आवश्यक दस्तावेजों की फोटोकॉपी तथा अन्य आवश्यक सेवाओं की सुविधा भी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी। अभियान के सफल संचालन हेतु जिला गन्ना अधिकारी की अध्यक्षता में बीते 29 मई को अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम), सहकारी गन्ना विकास समितियों के अध्यक्षों, इफको प्रतिनिधियों, संबंधित चीनी मिलों के प्रधान प्रबंधकों, समस्त ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों एवं सचिवों के साथ बैठक आयोजित कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी। बैठक में समितिवार कार्यक्रमों की तिथियां एवं स्थान निर्धारित किए गए तथा अधिकतम कृषक सहभागिता सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई। जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि इस अभियान के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए पम्पलेटों, बैनरों, पोस्टरों, ग्राम स्तरीय बैठकों एवं जनसंपर्क गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। गन्ना पर्यवेक्षकों को अपने–अपने क्षेत्र के गांवों में जाकर किसानों को कार्यक्रम की तिथियों, योजनाओं के लाभ तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देकर उनकी सहभागिता सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त महिला स्वयं सहायता समूहों, एसएचजी की महिलाओं को विशेष रूप से आमंत्रित कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक गन्ना समिति के लिए यह लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि कम से कम दस प्रतिशत पंजीकृत गन्ना कृषक एवं उनके परिवार इस अभियान में प्रतिभाग कर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। उन्होंने जनपद के समस्त गन्ना कृषकों से अपील किया है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपनी संबंधित गन्ना समिति में आयोजित कार्यक्रम में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त करें तथा अपने परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार प्रदान करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसानों एवं उनके परिवारों को दुर्घटना, मृत्यु, वृद्धावस्था एवं अन्य सामाजिक– आर्थिक जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करने के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुंच बढ़ाने और किसानों के जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

पुलिस लाइन में स्थानांतरित दो सीओ को दी गई विदाई,एसपी ने सराहा कार्यकाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद से स्थानांतरित हुए दो पुलिस उपाधीक्षकों को शनिवार को रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में भावभीनी विदाई दी गई।एसपी विनीत जायसवाल के निर्देशन में हुए इस कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे और दोनों अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।स्थानांतरित होने वाले अधिकारियों में क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा को कन्नौज और अभिसूचना इकाई के सीओ पवन कुमार वर्मा को अयोध्या भेजा गया है। दोनों अधिकारी गोण्डा में अपने कार्यकाल के दौरान कानून–व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर चर्चा में रहे।समारोह सौहार्दपूर्ण माहौल में हुआ। एसपी विनीत जायसवाल ने दोनों अधिकारियों को प्रतीक चिन्ह और बुके भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अजीत कुमार रजक,अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय,समस्त क्षेत्राधिकारीगण और थाना प्रभारियों ने भी पुष्पगुच्छ देकर विदाई दी।इस अवसर पर एसपी विनीत जायसवाल ने कहा कि शिल्पा वर्मा और पवन कुमार वर्मा कर्मठ,अनुशासित और कुशल प्रशासक रहे। उनके कार्यकाल में जनपद में कानून–व्यवस्था सु.ढ़ हुई। अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगा और आमजन से बेहतर समन्वय स्थापित हुआ। उन्होंने कहा कि दोनों अधिकारियों द्वारा स्थापित कार्यशैली अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।विदाई पर शिल्पा वर्मा और पवन कुमार वर्मा ने कहा कि गोन्डा में बिताया समय उनके सेवा जीवन का यादगार अध्याय है।उन्होंने सभी अधिकारियों और अधीनस्थों के सहयोग के लिए आभार जताया। दोनों ने कहा कि यहां मिला अनुभव उनके नए दायित्वों में निश्चित रूप से उपयोगी सिद्ध होगा।कार्यक्रम का समापन भावुक माहौल में हुआ।उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोनों के स्वस्थ, सुखद और सफल भविष्य की कामना की।

गल्ला मंडी में वर्षों से तैनाती पर उठे सवाल, जांच की मांग तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद की गल्ला मंडी में कर्मचारियों की लंबे समय से तैनाती को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों और शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है।शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि मंडी से जुड़े कर्मचारी विनोद कुमार शुक्ला की सेवा स्थिति को लेकर कई तरह की शंकाएं सामने आई हैं। उनका दावा है कि संबंधित कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने के बाद भी मंडी में कार्यरत रहने तथा सरकारी सुविधाओं का लाभ मिलने संबंधी प्रश्न उठाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की अभी तक किसी सक्षम अधिकारी द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शिकायतें निराधार हैं, तो मंडी प्रशासन एवं संबंधित विभाग को तथ्य सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं यदि आरोपों में सत्यता पाई जाती है, तो पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।नागरिकों का कहना है कि सरकारी संस्थानों में पारदर्शिता, जवाबदेही और नियमों का समान रूप से पालन होना आवश्यक है। उनका मानना है कि इस तरह के मामलों का समयबद्ध निस्तारण होने से आम जनता का प्रशासन पर विश्वास मजबूत होता है।

फिलहाल पूरे मामले को लेकर लोगों की निगाहें जिला प्रशासन और संबंधित विभाग पर टिकी हैं। अब यह देखना होगा कि शिकायतों की जांच कब शुरू होती है और प्रशासन इस संबंध में क्या आधिकारिक स्थिति स्पष्ट करता है।

अपर पुलिस अधीक्षक ने मांची व रामपुर बरकोनिया थानों का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल ने शनिवार को थाना मांची एवं रामपुर बरकोनिया का आकस्मिक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय, मालखाना, हवालात, महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति केंद्र, सीसीटीएनएस कक्ष, शस्त्रागार, बैरक, भोजनालय तथा थाना परिसर की साफ–सफाई और अभिलेखों का गहन निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने अपराध रजिस्टर, जनसुनवाई रजिस्टर, विवेचना पंजिका, महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों तथा साइबर अपराधों की समीक्षा की। उन्होंने सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।ऋषभ रुणवाल ने दोनों थानों के मिशन शक्ति केंद्रों का निरीक्षण करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सहायता और परामर्श संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला संबंधी शिकायतों का त्वरित, संवेदनशील एवं निष्पक्ष निस्तारण किया जाए तथा मिशन शक्ति अभियान के तहत उपलब्ध सुरक्षा एवं सहायता सेवाओं के प्रति अधिक से अधिक महिलाओं को जागरूक किया जाए।अपर पुलिस अधीक्षक ने दोनों थाना क्षेत्रों में कानून–व्यवस्था को और मजबूत बनाए रखने, वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की शीघ्र गिरतारी, अपराधों की रोकथाम, रात्रि गश्त तथा वाहन चेकिंग को अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने बीट पुलिसिंग को सक्रिय रखने, आमजन से बेहतर संवाद स्थापित करने तथा प्राप्त शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।निरीक्षण के अंत मेंथाना परिसरों की साफ–सफाई, अभिलेखों के रखरखाव और पुलिस कर्मियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए आवश्यक कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी पुलिसकर्मियों से अनुशासित, संवेदनशील एवं जनोन्मुखी कार्यशैली अपनाते हुए अपने दायित्वों का ईमानदारी और पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

मानकविहीन खाद्य पदार्थों की बिक्री पर सख्ती, अवैध मीट दुकानों पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। अभियान के दौरान कटे फल, गन्ने का जूस, खुली मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को साफ–सफाई बनाए रखने, खाद्य पदार्थों को ढककर रखने तथा प्रतिबंधित रसायनों का प्रयोग न करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में ग्राम कचनरवा, थाना कोन स्थित दो अवैध मीट दुकानों का निरीक्षण किया गया। जांच में बिना खाद्य पंजीकरण एवं लाइसेंस के मीट विक्रय किए जाने की पुष्टि होने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की गई। साथ ही उन्हें भविष्य में बिना अनुमति कारोबार न करने की चेतावनी दी गई। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बताया कि जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान ऐसे निरीक्षण एवं प्रवर्तन की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी, ताकि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जा सकें।

1.205 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ युवक गिरफ्तार, शक्तिनगर पुलिस की कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शक्तिनगर पुलिस ने एक अभियुक्त को 1 किलो 205 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरतार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।थाना शक्तिनगर के प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर भैरवा रेलवे लाइन के पास घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 205 ग्राम अवैध गांजा तथा छवजीपदह कंपनी का एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुआ।पुलिस ने बरामद गांजे को नियमानुसार सीलबंद कर कब्जे में ले लिया। इस संबंध में थाना शक्तिनगर में मु.अ.सं. 131/2026 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।पुलिस अब बरामद गांजे के स्रोत और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए गहन विवेचना कर रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न, अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जनपद में संचालित सभी सरकारी अस्पतालों में अग्निशमन व्यवस्थाओं के सु.ढ़ीकरण एवं अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने अस्पतालों में अग्निशमन सुरक्षा से संबंधित उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी चिकित्सालयों में अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, कार्यशीलता एवं नियमित परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आग जैसी आकस्मिक घटनाओं से बचाव के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन किया जाए तथा जहां आवश्यक हो वहां अग्निशमन उपकरणों की स्थापना एवं व्यवस्थाओं को तत्काल सु.ढ़ किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अस्पतालों में समय–समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करने, विद्युत सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने तथा आपातकालीन निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के भी निर्देश दिए, जिससे किसी भी आपदा की स्थिति में जनहानि को रोका जा सके। बैठक में मुख्य अग्निशमन अधिकारी राम साहनी, प्रभारी अधिकारी करन सिंह यादव, मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य, एसीएमओ डॉ. गुलाब शंकर यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सोनभद्र में चला व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत शनिवार को जनपद के सभी विकास खंडों और ग्राम पंचायतों में व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर उच्च जोखिम वाले गांवों में माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष साफ–सफाई कराई गई तथा लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।अभियान के दौरान गांवों में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों की मरम्मत तथा अन्य स्वच्छता संबंधी कार्य कराए गए। इस अभियान में पंचायत सहायकों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा ग्राम प्रधानों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।जनजागरूकता कार्यक्रम के तहत जनपद के 87 विद्यालयों में जागरूकता रैलियां आयोजित की गईं। वहीं ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों की ओर से 22 प्रभात फेरियां निकाली गईं तथा ग्राम पंचायत अधिकारियों ने विभिन्न ग्राम सभाओं का आयोजन कर लोगों को स्वच्छता और संचारी रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूक किया।अभियान के अंतर्गत गांवों में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, हैंडपंपों की मरम्मत, हैंडपंप चबूतरों का सुधार तथा शौचालय निर्माण जैसे कार्य भी कराए गए।नगर पंचायत क्षेत्रों में नालियों की सफाई और विभिन्न वार्डों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके साथ ही पशुपालकों को संचारी रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया तथा वेक्टर नियंत्रण के लिए तीन बैठकों का आयोजन भी किया गया।जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, जलभराव न होने दें और संचारी रोगों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें, ताकि जनपद को संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके।

राम जन्मभूमि मंदिर के वित्तीय प्रकरण की फोरेंसिक जांच की मांग, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

लखनऊ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर स्वतंत्र, वैज्ञानिक और बहु–एजेंसी फोरेंसिक जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, सार्वजनिक धन की पारदर्शिता और शासन की विश्वसनीयता से जुड़ा है, इसलिए इसकी निष्पक्ष और समयबद्ध जांच आवश्यक है।अजय राय ने अपने पत्र में कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर देश–विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और इसका निर्माण श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान और सहयोग से हुआ है। ऐसे में मंदिर से जुड़े प्रत्येक आर्थिक लेन–देन में पूर्ण पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने कहा कि मंदिर में प्राप्त चढ़ावे की नकदी तथा श्रद्धालुओं द्वारा दान की गई बहुमूल्य वस्तुओं के संबंध में कथित अनियमितताओं के सामने आने के बाद राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतरिम जांच के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई और कुछ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच के दौरान सीसीटीवी रिकॉर्ड सीमित रूप में उपलब्ध रहे तथा पुराने रिकॉर्ड उपलब्ध न होने से जांच प्रभावित हुई। उनके अनुसार यदि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का समय पर संरक्षण नहीं किया गया, तो यह भी गंभीर जांच का विषय है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पत्र में वर्ष 2021 में मंदिर और उसके आसपास विकास कार्यों के लिए भूमि खरीद में कथित अनियमितताओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उस समय भी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर आरोप लगाए गए थे कि कुछ भूमि कम समय के भीतर कई गुना अधिक कीमत पर ट्रस्ट को बेची गई। साथ ही निर्माण कार्यों में कथित कमीशनखोरी के आरोप भी सामने आए थे, जिनकी स्वतंत्र जांच की मांग की गई थी।अजय राय ने मुख्यमंत्री से मांग की कि मंदिर की स्थापना से अब तक प्राप्त समस्त नकद चढ़ावे, डिजिटल दान, स्वर्ण, रजत एवं अन्य बहुमूल्य दानों का स्वतंत्र लेखा परीक्षण और भौतिक सत्यापन कराया जाए। उन्होंने दान प्राप्त होने से लेकर बैंक खातों में जमा होने तक पूरे दान प्रवाह की जांच, बैंक खातों, लेखा पुस्तकों, ऑडिट रिपोर्टों, स्टॉक रजिस्टरों और डिजिटल अभिलेखों के फोरेंसिक विश्लेषण की भी मांग की।उन्होंने यह भी मांग की कि मंदिर परिसर, निर्माण कार्यों और विकास परियोजनाओं से संबंधित सभी निविदाओं, अनुबंधों, उप–ठेकों, मापन पुस्तिकाओं, सामग्री खरीद, परिवहन अभिलेखों तथा भूमि क्रय–विक्रय के मामलों में बाजार मूल्य, स्टाम्प मूल्य, भुगतान के स्रोत, आयकर अभिलेख और धन के वास्तविक प्रवाह की भी गहन जांच कराई जाए। उनके अनुसार यदि जांच के दौरान धन शोधन या अपराध से अर्जित धन के संकेत मिलते हैं तो संबंधित एजेंसियां विधि के अनुसार कार्रवाई करें।पत्र में अजय राय ने यह भी सवाल उठाया कि यदि कथित अनियमितताएं लंबे समय तक चलती रहीं, तो आंतरिक नियंत्रण, लेखा परीक्षण और प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था कैसे विफल रही। उन्होंने कहा कि यह भी जांच का विषय होना चाहिए कि संबंधित अधिकारियों ने समय रहते सरकार को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और सार्वजनिक धन की पवित्रता का विषय है। इसलिए पूरे मामले की जांच पूरी तरह स्वतंत्र, निष्पक्ष, वैज्ञानिक और समयबद्ध ढंग से कराई जानी चाहिए तथा जांच की प्रगति और निष्कर्षों को यथासंभव सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

सोनभद्र में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों का आलेख प्रकाशित

12 जुलाई तक दर्ज कराएं सुझाव व आपत्तियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि जनपद के चारों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों का आलेख 4 जुलाई 2026 को प्रकाशित कर दिया गया है। इसमें 400–घोरावल, 401–रॉबर्ट्सगंज, 402–ओबरा (अनुसूचित जनजाति) तथा 403–दुद्धी (अनुसूचित जनजाति) विधानसभा क्षेत्रों के मतदेय स्थल शामिल हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रकाशित आलेख को जिला प्रशासन की वेबसाइट पर भी अपलोड कर आमजन के अवलोकन के लिए उपलब्ध करा दिया गया है, ताकि मतदाता एवं संबंधित नागरिक इसकी जानकारी प्राप्त कर सकें।उन्होंने आमजन से अपील की है कि यदि मतदेय स्थलों के संबंध में किसी प्रकार का सुझाव या आपत्ति हो तो उसे 12 जुलाई 2026 तक लिखित रूप में जिला निर्वाचन कार्यालय, सोनभद्र में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्धारित अवधि में प्राप्त सभी सुझावों एवं आपत्तियों पर नियमानुसार विचार किया जाएगा, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाया जा सके।

दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले में ससुर गिरफ्तार, बहू की शिकायत पर पुलिस की कार्रवाई

लखनऊ, (आरएनएस)। राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और दुष्कर्म के गंभीर आरोपों से जुड़े मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता की शिकायत पर दर्ज मुकदमे की विवेचना के दौरान साक्ष्य मिलने पर दुष्कर्म की धारा जोड़ी गई थी। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि अन्य नामजद आरोपियों के संबंध में विवेचना जारी है।पुलिस के अनुसार 14 जून 2026 को थाना मड़ियांव को प्राप्त एक प्रार्थना पत्र में पीड़िता ने अपने पति, ससुर तथा परिवार के अन्य सदस्यों पर दहेज की मांग, प्रताड़ना, मारपीट, जान से मारने की धमकी और ससुर द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पति अभिषेक तिवारी, ससुर मुकेश कुमार तिवारी तथा परिवार की दो अन्य महिलाओं के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए, 323, 506 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने पीड़िता के बयान और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पहले दर्ज धारा 354 को हटाते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) की बढ़ोतरी की गई।शनिवार को थाना मड़ियांव पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमे में वांछित आरोपी मुकेश कुमार तिवारी आलमबाग स्थित कैरिज रिपेयर वर्कशॉप के सामने मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान 58 वर्षीय मुकेश कुमार तिवारी, निवासी सेक्टर–ए, महानगर, लखनऊ के रूप में हुई है।

पुलिस ने उसे मुकदमे में दर्ज आरोपों की जानकारी देते हुए विधिक प्रक्रिया के तहत हिरासत में लिया।पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न, मारपीट, धमकी और दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका तथा सभी आरोपों की जांच विवेचना के दौरान जारी रहेगी। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की विवेचना उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है। न्यायालय में आरोप सिद्ध होने तक आरोपी को विधिक दृष्टि से दोषी नहीं माना जाता।

सोनभद्र में 1 जुलाई से 31 अगस्त तक मछली पकड़ने पर प्रतिबंध, उल्लंघन पर होगी कानूनी कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मछलियों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट चर्चित गौड़ ने जनपद के सभी नदियों, तालाबों और जलाशयों में 1 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक मत्स्य आखेट (मछली पकड़ने) पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया है। इस संबंध में आदेश जारी करते हुए संबंधित विभागों और जलाशयों के ठेकेदारों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार प्रतिबंध अवधि के दौरान किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रजननशील मछलियों को पकड़ना, मारना, बेचना अथवा पकड़ने का प्रयास करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा विस्फोटक पदार्थों, विषैले रसायनों या अन्य अवैध तरीकों से मछली पकड़ने पर भी सख्त रोक लगाई गई है।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि रिहंद, धंधरौल, कड़ियाताल, पुरखासताल और जीवारताल सहित सभी संबंधित जलाशयों के ठेकेदार 30 जून की मध्यरात्रि तक अपनी नावें और जाल जलाशयों से बाहर निकालना सुनिश्चित करें। वहीं क्षेत्रीय मत्स्य प्रभारियों को प्रतिबंध अवधि में मत्स्य आखेट पूरी तरह बंद कराने और नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं।आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जलधाराओं के प्रा.तिक प्रवाह को बाधित करने के लिए किसी प्रकार का अवरोध खड़ा करना तथा मत्स्य बीज, अंगुलिका (फिंगरलिंग) अथवा मछलियों को पकड़ना या नष्ट करना भी प्रतिबंधित रहेगा।जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों की अवैध सामग्री और पकड़ी गई मछलियां जब्त की जाएंगी तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश मत्स्य अधिनियम, 1948 के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी और ग्राम समाज की भूमि विवादों पर अब तीन सदस्यीय विशेष पीठ करेगी सुनवाई, योगी सरकार ने लागू की नई व्यवस्था

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में सरकारी एवं सार्वजनिक महत्व की भूमि से जुड़े विवादों के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए योगी सरकार ने राजस्व न्याय व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण सुधार लागू किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने फैसला किया है कि अब आरक्षित श्रेणी की भूमि, शासकीय भूमि, ग्राम सभा, नजूल, निष्क्रांत संपत्ति तथा शत्रु संपत्ति से संबंधित सभी वादों की सुनवाई तीन सदस्यीय विशेष पीठ करेगी। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है और इसका उद्देश्य सार्वजनिक भूमि से जुड़े संवेदनशील मामलों में पारदर्शिता, न्यायिक गुणवत्ता और निर्णयों में एकरूपता सुनिश्चित करना है।राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार सरकारी और सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने, भूमि विवादों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने तथा राजस्व न्याय प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने पर विशेष बल दे रहे हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा–9 के तहत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए यह नई व्यवस्था लागू की गई है।नई व्यवस्था के अनुसार अब लखनऊ और प्रयागराज स्थित राजस्व परिषद के न्यायालयों में आरक्षित श्रेणी की भूमि, शासकीय भूमि, ग्राम सभा, नजूल भूमि, निष्क्रांत संपत्ति तथा शत्रु संपत्ति से जुड़े सभी लंबित और नए मामलों की सुनवाई एकल पीठ या सर्किट कोर्ट के बजाय विशेष रूप से गठित तीन सदस्यीय पीठ करेगी। परिषद का मानना है कि सामूहिक सुनवाई से महत्वपूर्ण मामलों में विभिन्न न्यायिक दृष्टिकोणों का समावेश होगा, जिससे निर्णय अधिक संतुलित, निष्पक्ष और विधिसम्मत होंगे।राजस्व परिषद ने लखनऊ और प्रयागराज दोनों न्यायालयों के लिए अलग–अलग तीन सदस्यीय विशेष पीठों का गठन किया है। इन विशेष पीठों द्वारा प्रत्येक बुधवार को नियमित रूप से इन मामलों की सुनवाई की जाएगी। इससे सरकारी और सार्वजनिक भूमि से जुड़े संवेदनशील मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित होने के साथ–साथ पूरे प्रदेश में न्यायिक निर्णयों में एकरूपता स्थापित होगी।परिषद ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस श्रेणी के सभी लंबित एवं नए वादों की पहचान कर उन्हें निर्धारित विशेष पीठ के समक्ष सूचीबद्ध कराया जाए। इससे नई व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा तथा मामलों के अनावश्यक लंबित रहने की संभावना कम होगी। नियमित सुनवाई और व्यवस्थित सूचीकरण से न्यायिक प्रक्रिया अधिक सुचारु, प्रभावी और परिणामोन्मुख बनने की उम्मीद है।राजस्व परिषद का मानना है कि तीन सदस्यीय पीठ द्वारा सामूहिक निर्णय लेने की व्यवस्था से न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। समान प्रकृति के मामलों में एकरूप निर्णय आने से भविष्य में अनावश्यक विवादों और कानूनी असमंजस की स्थिति भी कम होगी। इससे सरकारी एवं सार्वजनिक भूमि के संरक्षण से जुड़े मामलों में न्यायिक प्रक्रिया और अधिक सुदृढ़ होगी।प्रदेश सरकार पहले ही राजस्व प्रशासन में व्यापक सुधारों की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठा चुकी है। डिजिटल भू–अभिलेखों का विकास, ऑनलाइन नामांतरण की सुविधा, आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भूमि पैमाइश, राजस्व सेवाओं का डिजिटलीकरण, न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा सरकारी भूमि की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान जैसी पहलों ने राजस्व व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और नागरिक हितैषी बनाया है।अब तीन सदस्यीय विशेष पीठ की व्यवस्था को इन्हीं सुधारों की अगली महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सामूहिक न्यायिक निर्णय प्रणाली से न केवल सार्वजनिक महत्व की भूमि से जुड़े मामलों का तेजी से निस्तारण होगा, बल्कि प्रदेश की राजस्व न्याय व्यवस्था को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

कॉकटेल 2 का दुनियाभर में तहलका, कोविड एरा के बाद शाहिद की बनी ऐसा करने वाली पहली फिल्म

होमी अदजानिया निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी फिल्म कॉकटेल 2 को यूं तो क्रिटिक्स से मिक्स्ड रिव्यू मिले थे लेकिन इसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. सिनेमाघरों में रिलीज के दो हफ्तों में इस पिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म किया है. यहां तक कि अक्षय कुमार की नई रिलीज वेलकम टू द जंगल के आगे भी ये टस से मस नहीं हुई और इसी के साथ ये हर दिन करोड़ों छाप रही है. वहीं इस फिल्म ने अब वर्ल्डवाइड शाहिद कपूर के करियर का एक बड़ा रिकॉर्ड भी बना दिया है. रिपोर्ट के मुताबिक, कॉकटेल 2 ने रिलीज के 13 दिनों में दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 151.13 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई की है. इसने भारत में 94.21 करोड़ रुपये की नेट कमाई की, जो ग्रॉस में 111.16 करोड़ रुपये होती है. बाकी 40.15 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई इसने ओवरसीज मार्केट से जुटाई है. इसी के साथ शाहिद कपूर स्टारर ये फिल्म इस साल की दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चौथी बॉलीवुड फिल्म बन गई है. हालांकि, इसकी यह जगह खतरे में है क्योंकि अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल इसका पीछा कर रही है और और आने वाले वीकेंड में वो कॉकटेल 2 को मात दे देगी. कॉकटेल 2 शाहिद के करियर के लिए भी एक बड़ी सक्सेस साबित हुई है. दरअसल ये फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को पीछे छोड़ते हुए कोविड के बाद एक्टर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. . इतना ही नहीं ये एक्टर की कोविड एरा के बाद 150 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली पहली फिल्म भी बन गई है. वहीं पहले से वेलकम टू द जंगल से मुकाबला कर रही इस फिल्म को अब बॉक्स ऑफिस पर आलिया की नई रिलीज अल्फा से भी टक्कर मिलेगी. ऐसे में देखने वाली बात होगी कि अपने तीसरे वीकेंड पर कॉकटेल 2 कितनी कमाई कर पाती है. कॉकटेल 2 सिनेमाघरों में 19 जून को रिलीज हुई थी. फिल्म को होमी अदजानिया ने निर्देशित किया है और इसमें शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना ने लीड रोल प्ले किया है. ये फिल्म साल 2012 में आई कॉकटेल की स्प्रिचुअल सीक्वल है. उस फिल्म में सैफ अली खान, डायना पेंटी और दीपिका पादुकोण की तिकड़ी नजर आई थी.

वेलकम टू द जंगल की कमाई में गिरावट जारी, 100 करोड़ कमाने से अब इतनी दूर, मा इंति बंगारम और मैं वापस आऊंगा की रफ्तार बरकरार

बॉक्स ऑफिस पर इस सप्ताह कई फिल्मों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल (वेलकम 3) अब भी सबसे आगे बनी हुई है, हालांकि सातवें दिन इसकी कमाई में गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 की रफ्तार लगातार धीमी पड़ रही है। वहीं तेलुगु फिल्म मा इंति बंगारम और हिंदी फिल्म मैं वापस आऊंगा स्थिर प्रदर्शन करते हुए बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही हैं।

अक्षय कुमार अभिनीत वेलकम टू द जंगल में सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, रवीना टंडन, लारा दत्ता और फरीदा जलाल जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

फिल्म ने सिनेमाघरों में अपना पहला सप्ताह पूरा कर लिया है। सातवें दिन गुरुवार को इसकी कमाई में कुछ गिरावट देखने को मिली। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने गुरुवार को 5.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म का सात दिनों का कुल भारतीय बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 92.90 करोड़ रुपये पहुंच गया है। गिप्पी ग्रेवाल और सरगुन मेहता स्टारर पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। छठे दिन फिल्म ने 85 लाख रुपये कमाए थे, जबकि सातवें दिन इसका कारोबार घटकर 80 लाख रुपये रह गया। फिल्म की सात दिनों की कुल कमाई अब 12.25 करोड़ रुपये हो गई है। सामंथा रुथ प्रभु अभिनीत तेलुगु फिल्म मा इंति बंगारम बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को 1.15 करोड़ रुपये की कमाई की। बीवी नंदिनी रेड्डी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का 14 दिनों का कुल भारतीय कलेक्शन 53.95 करोड़ रुपये हो गया है। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी मैं वापस आऊंगा भी दर्शकों का अच्छा समर्थन हासिल कर रही है। दिलजीत दोसांझ, शरवरी और वेदांग रैना अभिनीत इस फिल्म ने तीसरे गुरुवार को 1.30 करोड़ रुपये का कारोबार किया। हालांकि मूल जानकारी में दिन और कुल कलेक्शन के आंकड़ों में त्रुटि प्रतीत होती है, उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार फिल्म का कुल कलेक्शन 52.25 करोड़ रुपये बताया गया है।

मुंबई की लोकल ट्रेन में गुजरे मेरे संघर्ष के दिन : रिद्धि डोगरा

रिद्धि डोगरा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात

यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़–भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई–नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने–फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे शदिन में सपना देखनाव्य कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था। रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादारू लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टररू खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धि डोगरा द साबरमती रिपोर्ट, लकड़बग्घा, और जवान जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

आवारापन 2 का टीजर हुआ जारी, इमरान हाशमी की गैंगस्टर शिवम के रूप में हुई वापसी

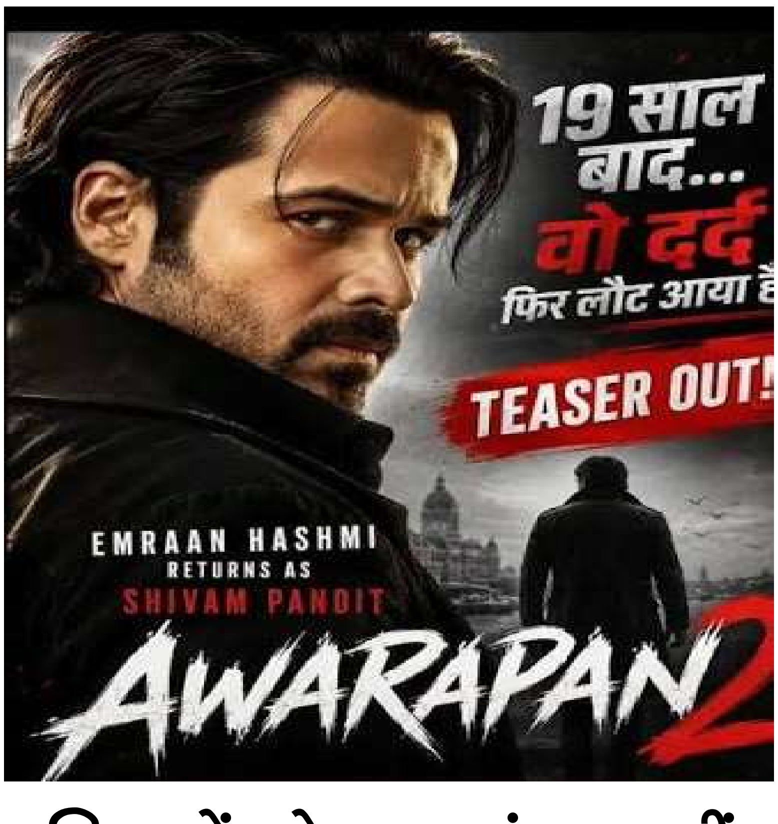

सीरियल किसर इमरान हाशमी स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म आवारापन 2 का टीजर जारी हो गया है. टीजर में अभिनेता इमरान हाशमी अपने 19 साल पुराने उलझे हुए किरदार शिवम पंडित के रूप में वापसी कर रहे हैं. यह टीजर फैंस को सीक्वल में गैंगस्टर दुनिया की एक झलक दिखाता है, जो काफी जोखिम भरी और रोमांचक है. एक्स हैंडल पर आवारापन 2 के टीजर की जमकर तारीफ हो रही है और लोगों को 19 साल पुराना शिव पंडित का दौर याद आ गया है.

फिल्म में दिशा पटानी और दिग्गज अदाकारा शबाना आजमी को दमदार खलनायिका नफीसा के रूप में दिखाया गया है, जो आंखों में कई रहस्य लिए नजर आती हैं. नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी फिल्म के टीजर में एक्शन और इमोशनल सीन दिख रहे हैं. सीक्वल के टीजर ने साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म के भावनात्मक मोड़ को पकड़े रखा है.

बता दें, इस कल्ट हिट फिल्म की रिलीज के 19 साल पूरे होने के मौके पर जारी किए गए टीजर ने फैंस की एक्साइटमेंट को बढ़ा दिया है. टीजर की शुरुआत इमरान के किरदार शिवम के अपने अतीत की दर्दनाक यादों को याद करने से होती है. इसके बाद हमें एक दमदार स्ट्रीट फाइटर के रूप में उनकी हाथापाई और गैंगस्टरों से लड़ते हुए झलकियां देखने को मिलती हैं, जबकि शबाना का इंटेंस लुक नजर आता है. दिशा का रहस्यमयी किरदार वायलिन बजाते हुए दिखाया गया है. टीजर इमरान हाशमी के इस डायलॉग के साथ खत्म होता है, इस बार या तो ये आवारापन खत्म होगा या मैं.

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है. इमरान हाशमी इस बार शिवम पंडित के रोल में और भी ज्यादा जान डालते नजर आ रहे हैं. एक यूजर ने टीजर में इमरान हाशमी के एंट्री सीन पर लिखा है, अब तक सबसे धांसू एंट्री सीन. दूसरे यूजर ने टीजर का बैकग्राउंड म्यूजिक दमदार बताया है. एक और लिखता है, टीजर देखकर तो मेरे रोंगटे खड़े हो गए. सोशल मीडिया पर आवारापन 2 के टीजर की तारीफ की झड़ी लग चुकी है.

फिल्म की कहानी बिलाल सिद्दीकी ने लिखी है. विशेष भट्ट की फिल्म एक दिल को छू लेने वाले संगीत के साथ लौट रही है, जिसमें मिथुन और सईद कादरी ने फैंस के पसंदीदा गानों तो फिर आओ और तेरा मेरा रिश्ता को नए अंदाज में पेश किया है. साथ ही कुछ नए गाने भी शामिल किए हैं. फिल्म की शूटिंग बैंकॉक के साथ–साथ भारत के कई हिस्सों में हुई है, जिसमें राजस्थान भी शामिल है. फिल्म 14 अगस्त, 2026 को वर्ल्डवाइघ्ड सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इस दिन बॉक्स ऑफिस पर आवारापन 2 का मुकाबला सनी देओल–प्रीति जिंटा की फिल्म बंटवारा 1947 से होगा.

महिलाओं को नजरअंदाज नहीं करने चाहिए जोड़ों के दर्द से जुड़े ये 5 चेतावनी भरे संकेत

जोड़ों से जुड़ी समस्याएं आजकल हर उम्र के लोगों में देखने को मिल रही हैं, खासकर महिलाओं में यह आम हो गई हैं। कई बार महिलाएं जोड़ों का दर्द जैसे संकेतों को नजरअंदाज कर देती हैं, जिससे स्थिति बिगड़ती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे चेतावनी भरे संकेतों के बारे में बताएंगे, जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। इन संकेतों को पहचानकर आप समय पर इलाज करा सकती हैं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकती हैं।

सुबह उठते ही जोड़ों में अकड़न होना

अगर आपको सुबह उठते ही अपने हाथों या पैरों में अकड़न महसूस होती है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह गठिया या अन्य किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि समय पर इलाज मिल सके। सुबह की अकड़न अक्सर उम्र बढ़ने, असंतुलित आहार और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण होती है। सही समय पर पहचान और इलाज से आप इस समस्या से बच सकती हैं।

बैठते या उठते समय दर्द होना

बैठते या उठते समय अगर आपको दर्द होता है तो इसे हल्के में न लें। यह भी गठिया या अन्य किसी समस्या का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि सही इलाज मिल सके। बैठते या उठते समय दर्द होना कई कारणों से हो सकता है, जैसे गलत तरीके से बैठना, शारीरिक गतिविधियों की कमी या चोट का सही इलाज न होना। सही समय पर इलाज से आप इससे बच सकती हैं।

चलने में दिक्कत होना

अगर आपको चलने में दिक्कत होती है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि सही इलाज मिल सके। चलने में दिक्कत होना कई कारणों से हो सकता है, जैसे जोड़ों का कमजोर होना, पुराने चोट का सही इलाज न होना या शारीरिक गतिविधियों की कमी। सही समय पर पहचान और इलाज से आप इस समस्या से बच सकती हैं।

रात में सोते समय टांगों में दर्द होना

रात के समय सोते समय अगर आपकी टांगों में दर्द होता है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि सही इलाज मिल सके। रात के समय सोते समय दर्द होना कई कारणों से हो सकता है, जैसे गलत गद्दे या तकिए का इस्तेमाल, पुराने चोट का सही इलाज न होना या शारीरिक गतिविधियों की कमी।

अचानक से वजन कम होना

अगर बिना किसी प्रयास के आपका वजन अचानक से कम हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि सही इलाज मिल सके। वजन कम होना कई कारणों से हो सकता है, जैसे असंतुलित आहार, तनाव या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं। सही समय पर पहचान और इलाज से आप इस समस्या से बच सकती हैं।